News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-224

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

इतना हौसला रखो कि किस्मत को उसके सामने झुकना पड़ेगा

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 19 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

महाराष्ट्र के रंग में रंगे मोहन...आखिरी दिन जमकर किया चुनाव प्रचार, कांग्रेस को सुनाई खरी-खोटी

सीएम मोहन यादव बोले- हम जय राम बोलते हैं, तो जल जाती है दुश्मनों की छाती

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के प्रचार का शोर सोमवार शाम थम गया। यहां सभी 288 विधानसभा सीटों पर बुधवार को मतदान होगा। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को महाराष्ट्र में महायुति के समर्थन में रोड शो और जनसभाएं की। मुंबई में कलिना विधानसभा क्षेत्र में महायुति प्रत्याशी अमरजीत के समर्थन में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। डॉ. यादव ने कहा कि यह केवल अमरजीत का चुनाव नहीं है, बल्कि हर कार्यकर्ता को अमरजीत बनकर काम करना होगा, तभी हमारी जीत सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने जय श्री राम के नारे से सभा का उत्साह बढ़ाते हुए विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जैसे ही हम जय श्री राम बोलते हैं, दुश्मनों की छाती जल जाती है। उनके भीतर का भ्रम टूटने लगता है, और हम चाहते हैं कि यह और जोर से हो।

मुंबई की आत्मा उत्तर भारतीयों की डॉ. यादव ने महाराष्ट्र की धरती को छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मस्थली और बालासाहेब ठाकरे की कर्मस्थली बताते हुए कहा कि यह वही मुंबई है, जिसका शरीर महाराष्ट्र का और आत्मा उत्तर भारतीयों की है। यही समय है, सही समय है, जब हमें अपने संकल्प को पूरा करना है। उन्होंने मध्यप्रदेश की लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए महाराष्ट्र सरकार के कदमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के हाथ में पैसा देकर उन्हें सशक्त बनाना हमारे समाज को मजबूत करने का रास्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है।

कांग्रेसी कह रहे थे बहनों को क्यों दे रहे हो रुपए सीएम मोहन यादव ने कहा कि दुनिया में 200 से ज्यादा देश है किसी भी देश का अपनी माता से संबंध नहीं आता; सभी पुरुष प्रधान है। एकमात्र देश भारत है जो बोलता है, भारत माता की जय। सीएम ने कहा कि मप्र में हमने जब लाड़ली बहना की बात की तो वहां भी कांग्रेस और उनके चट्टे बट्टे छाती ठोक रहे थे, अरे काहे के लिए दे रहे हो, पैसे बिगाड़ रहे हो। माता-बहनों के हाथ में पैसा आए तो उस रुपए का एक-एक पैसा सदुपयोग होता है। हमने तो अभी लाडली बहनों को 1250 ही दिए, आप तो और आगे बढ़ गए 1500 पहले ही दे दिए और अब तो 2100 रुपए देने वाले हो।

...तो पाकिस्तान को घर में घुसकर मारेंगे कार्यक्रम में मुंबई हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज के इस बदलते दौर में पूरा देश बदल रहा है। मुझे इस बात का गर्व है। इस बदलते दौर में हम मुंबई को भूले नहीं है। इनके समय में ताज होटल में यहां गोलियां चल रही थीं। आतंकवादी हमले हो रहे थे और पाकिस्तान में दिवाली मन रही थी। अब पाकिस्तान का बाप भी करके बताए, उसे घर में घुसकर मारेंगे। नंबर पर करीब 81 करोड़ रुपये के गिफ्ट पकड़े गए। इसी तरह से झारखंड में सबसे अधिक 152 करोड़ रुपये के गिफ्ट पकड़े गए। दूसरे और तीसरे नंबर पर करीब 15-15 करोड़ रुपये की नकदी और ड्रग्स जब्त की गई। उपचुनावों के लिए भी सबसे अधिक 121 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत के गिफ्ट आइटम पकड़े गए।

अमेरिका में गिरफ्तार हुआ गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल बिश्नोई

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अनमोल को कैलिफोर्निया से हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कुछ समय पहले ही अनमोल की उनके देश में मौजूदगी को लेकर इनपुट साझा किया था, जिसके बाद कुछ दिनों पहले ही मुंबई पुलिस ने उसके प्रत्यर्पण को लेकर प्रस्ताव भेजा था। अब कार्रवाई करते हुए कैलिफोर्निया पुलिस ने अनमोल को गिरफ्तार कर लिया है। अनमोल बिश्नोई को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड समेत कुछ हाई-प्रोफाइल अपराधों में आरोपी के रूप में नामित किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाल ही में अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी ने के लिए उसकी सूचना देने वाले को 10 लाख रुपए इनाम की घोषणा की थी। एनआईए 2022 में दर्ज दो मामलों में अनमोल पर आरोप पत्र भी दायर कर चुकी है। इसके अलावा 14 अप्रैल को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमैंट के बाहर हुई फायरिंग के मामले में भी अनमोल बिश्नोई का नाम सामने आया था। मामले में दायर आरोप पत्र में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई और अनमोल बिश्नोई को आरोपी के रूप में दिखाया है। इसी मामले में अनमोल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का आरोप लॉरेंस बिश्नोई और अनमोल बिश्नोई दोनों ही एनसीपी नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में आरोपी हैं। इस हत्याकांड की जांच कर रही मुंबई पुलिस के मुताबिक बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पुणे का एक बड़ा नेता भी बिश्नोई गैंग की रडार पर था। हाल ही में, तिहाड़ जेल प्रशासन ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच के बाद यह खुलासा किया था कि बिश्नोई गैंग की योजना श्रद्धा वाकर हत्या मामले के अपराधी आफताब पूनावाला को निशाना बनाने की थी, जिसके बाद आरोपी आफताब के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। इससे पहले पिछले महीने मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने भी मकोका अदालय में यह कहते हुए याचिका लगाई थी कि वह भगोड़े अपराधी अनमोल बिश्नोई की प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करना चाहती है।

गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी आरोपी अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु गायक-राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी आरोपी है। साल 2023 में, एजेंसी ने उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। रिपोर्ट के अनुसार, वह फर्जी पासपोर्ट पर भारत से भाग गया था. वह कथित तौर पर अपने ठिकाने बदलता रहता है और पिछले साल उसे केन्या और इस साल कनाडा में देखा गया था। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, उस पर 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह जोधपुर जेल में सजा काट चुका है। उसे 7 अक्टूबर 2021 को जमानत पर रिहा किया गया था। अनमोल बिश्नोई और उनका रिश्तेदार सचिन बिश्नोई गैंग को ऑपरेट करने में अहम रोल निभाते हैं। लॉरेंस बिश्नोई के सलाखों के पीछे रहने के दौरान अनमोल ही अब यह जिम्मेदारी संभालता है कि गैंग को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो, खासकर पैसों के मामले में। जांच रिपोर्टों के अनुसार, लॉरेंस के रिश्तेदार सचिन बिश्नोई ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सचिन वर्तमान में फरार है और माना जाता है कि वह किसी अन्य देश में छिपा हुआ है, और वहीं से गैंग के लिए काम कर रहा है।

एके-47 से सलमान खान की हत्या का था प्लान मुंबई पुलिस की जांच में बीते दिनों खुलासा हुआ था कि लॉरेंस गैंग फिर से सलमान खान पर हमला करवाने की प्लानिंग कर रहा था। बीते 1 जून को इस मामले में नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया था। ये सभी पनवेल में सलमान की कार पर अटैक करने की प्लानिंग कर रहे थे। इसके लिए इन्होंने पाकिस्तान से एके-47 समेत कई हथियार मंगवाने की प्लानिंग की थी। लॉरेंस गैंग सलमान को तुर्किये मेड जिगाना पिस्टल से मारने का प्लान भी बना रहा था। इसी पिस्टल से पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का भी मर्डर किया गया था। सलमान के फार्म हाउस और कई शूटिंग स्पॉट्स समेत गोरेगांव फिल्म सिटी की भी रेकी की थी।

बेअंत की हत्या के दोषी बलवंत की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष रखने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के सचिव को बेअंत हत्याकांड के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि राजोआना की दया याचिका पर दो सप्ताह के अंदर विचार किया जाए। दरअसल, मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सचिव को निर्देश दिया कि वह 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा पाने वाले बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका को राष्ट्रपति के सामने विचार के लिए रखें। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने राष्ट्रपति से दो सप्ताह के भीतर याचिका पर विचार करने का अनुरोध किया। पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई के लिए विशेष रूप से सोमवार का दिन तय किए जाने के बावजूद भारत संघ की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। पीठ केवल इसी मामले की सुनवाई के लिए बैठी थी। सुनवाई की इससे पहले की तारीख में मामले को स्थगित कर दिया गया था, ताकि केंद्र सरकार राष्ट्रपति कार्यालय से यह निर्देश ले सके कि दया याचिका पर कब तक निर्णय लिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता मृत्युदंड का सामना कर रहा है, हम भारत के राष्ट्रपति के सचिव को निर्देश देते हैं कि वह मामले को राष्ट्रपति के समक्ष रखें और उनसे अनुरोध करें कि वे दो सप्ताह के भीतर इस पर विचार करें। मामले में अगली सुनवाई पांच दिसंबर को होगी।

वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को 13 किलोमीटर की चढ़ाई से मिलेगा छुटकारा

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों को खुशखबरी दी है और यात्रा को सुविधाजनक और त्वरित बनाने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित रोपवे परियोजना को लागू करने का निर्णय किया है। श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा कि रोपवे परियोजना एक परिवर्तनकारी परियोजना होगी, विशेषकर उन तीर्थयात्रियों के लिए, जिन्हें मंदिर तक जाने के लिए 13 किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढ़ना चुनौतीपूर्ण लगती है। कटरा में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड ने आखिरकार रोपवे परियोजना को लागू करने का फैसला कर लिया है। परियोजना पूरी हो जाने पर, प्रत्येक वर्ष पवित्र गुफा में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या की आवश्यकता पूरी हो सकेगी। गर्ग ने कहा कि पिछले साल माता वैष्णो देवी की यात्रा ने 95 लाख तीर्थयात्रियों से अधिक का नया रिकॉर्ड बनाया।

रोपवे परियोजना पर कई वर्षों से चल रही थी चर्चा श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि रोपवे परियोजना पर कई वर्षों से चर्चा चल रही थी और बोर्ड ने तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़ने का निर्णय किया है। गर्ग ने कहा कि रोपवे से विशेष रूप से बुजुर्ग तीर्थयात्रियों और उन लोगों को लाभ होगा जो शारीरिक कमियों या हेलीकॉप्टर सेवाओं की सीमित क्षमता के कारण कठिन यात्रा पूरी नहीं कर सकते। इसके अलावा, बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान स्थानीय हितधारकों की चिंताओं पर भी विचार किया जाएगा।

जल्द ही शुरू होगा जमीनी कार्य अधिकारियों ने बताया कि निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने के बाद बोर्ड का लक्ष्य जल्द ही जमीनी कार्य शुरू करना है। अधिकारियों के अनुसार, रोपवे ताराकोट मार्ग को मुख्य तीर्थ क्षेत्र भवन से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को त्रिकुटा पहाड़ियों के शानदार दृश्य देखने को मिलेंगे, जिससे आध्यात्मिक और सुंदर अनुभव में वृद्धि होगी। रोपवे से प्रतिदिन कई हजार श्रद्धालुओं के आवागमन की उम्मीद है, जिससे पारंपरिक पैदल पथ पर भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि घंटों लंबी यात्रा की तुलना में यह यात्रा कुछ ही मिनटों की रह जाएगी।

समंदर में पाकिस्तानी जहाज को खदेड़ा, 7 भारतीय मछुआरों को छुड़ाया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक जहाज अग्रिम ने पाकिस्तानी सीमा के पास से सात भारतीय मछुआरों को बचाया। इन मछुआरों को भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने पकड़ा था। मछुआरों को बचाने के लिए भारतीय तटरक्षक जहाज अग्रिम ने दो घंटे तक पाकिस्तानी जहाज का पीछा किया। भारतीय जहाज ने पहले पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी के जहाज पीएमएस नुसरत को अलर्ट किया गया। उसे बताया गया कि किसी भी हालत में वह भारतीय क्षेत्र से मछुआरों को नहीं ले जा सकते। कोस्ट गार्ड के मुताबिक पाकिस्तानी मेरिटाइम सिक्योरिटी एजेंसी भारतीय मछुआरों को हिरासत में लेकर जा रहे थे और कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी शिप का पीछा किया, उन्हें रोका और मछुआरों को छुड़ाया। रक्षा अधिकारी ने बताया कि इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप को भारतीय मछुआरों की बोट से डिस्ट्रेस कॉल आया जो कि नो फिशिंग जोन से किया गया था। मैसेज में जानकारी दी कि भारत पाकिस्तान मेरीटाइम बाउंड्री के पास पाकिस्तानी मेरिटाइम सिक्योरिटी एंजेसी ने तकरीबन 3.30 बजे 7 भारतीय मछुआरों को पकड़ा लिया। जानकारी मिलते ही कोस्ट गार्ड के शिप उस इलाके की तरफ बढ़े और उस पाकिस्तानी शिप को रोक लिया और भारतीय मछुआरों को छुड़वाया। आईसीजी जहाज सात मछुआरों को सुरक्षित निकालने में सफल रहा, जिनकी मेडिकल स्थिति स्थिर पाई गई।

लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ कार्रवाई जारी, 22 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ धनशोधन से जुड़े मामलों में कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को ईडी ने मार्टिन और उसकी कंपनी मैसर्स फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े अलग-अलग प्रदेशों में 22 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान ईडी ने 12.41 करोड़ की नकदी और 6.42 करोड़ की एफडीआर जब्त की। ईडी ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, मेघालय और पंजाब में उसके ठिकानों से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस भी बरामद कीं। मार्टिन के खिलाफ लॉटरी में धोखाधड़ी व अवैध बिक्री के मामलों में कई एफआईआर दर्ज हैं। 15 नवंबर को भी ईडी ने मार्टिन के चेन्नई स्थित कॉरपोरेट कार्यालय से 8.8 करोड़ रुपये और कोलकाता से तीन करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी जब्त की थी। उल्लेखनीय है कि मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में लॉटरी किंग के खिलाफ ईडी को कार्रवाई करने की अनुमति दी थी। ईडी ने बीते वर्ष केरल में लॉटरी बिक्री में धोखाधड़ी कर सिक्किम सरकार को 900 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने से जुड़े मामले में मार्टिन की करीब 457 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशन्स इंडिया प्रा.लि. सिक्किम लॉटरी की प्रमुख वितरक है। ईडी तमिलनाडु में इस लॉटरी किंग के खिलाफ 2019 से ही जांच कर रही है। मार्टिन हाल ही में तब सुर्खियों में आया, जब चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चला कि उसकी कंपनी 2019 से 2024 के बीच राजनीतिक दलों को चंदे के लिए 1,300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के चुनावी बॉन्ड की सबसे बड़ी खरीदार थी।

सोने के 1,069 रुपए की तेजी के साथ 74,808 पर, चांदी 2,186 रु. महंगी

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में सोमवार को बड़ी बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,069 रुपए बढ़कर 74,808 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 73,739 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी तेजी आई। चांदी 2,186 रुपए बढ़कर 89,289 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 87,103 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। कीमत 74 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे आने की गुंजाइश कम है। अमेरिका के बाद यूके ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे गोल्ड ईटीएफ की खरीदारी बढ़ेगी। ऐसे में अगले साल 30 जून तक सोना 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

नंदबाग रोड 100 फीट चौड़ा करने के लिए , 50 से ज्यादा मकान तोड़े

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नंदबाग इलाके में नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एक साथ पचास से ज्यादा मकान तोड़े गए। सुबह-सुबह हुई कार्रवाई से लोग भी भौंचक रह गए। बता दें कि टिगरिया बादशाह से खड़े गणपति मंदिर तक नगर निगम 100 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण कर रहा है। सुबह आठ बजे सात पोकलेन और दस जेसीबी की मदद से मकान तोड़ने की मुहिम शुरू की गई। कुछ रहवासी स्वेच्छा से मकान तोड़ने लगे थे, लेकिन उनके चेहरे पर उदासी थी, क्योंकि वर्षों से वे इन मकानों में रह रहे थे। कुछ लोगों के पूरे मकान सड़क की चौड़ाई की जद में आ रहे थे। ज्यादातर कच्चे मकान बने थे, जो जल्दी टूट गए, लेकिन पक्के निर्माणों को तोड़ने में ज्यादा समय लगा। नंदबाग सड़क मध्य क्षेत्र को सीधे सुपर कॉरिडोर से जोड़ती है। आगे जाकर यह सड़क एमआर- 5 से जुड़ जाती है। इस सड़क की मास्टर प्लान में चौड़ाई 100 फीट है, लेकिन कहीं यह 60 फीट चौड़ी थी, तो कहीं 80 फीट की जगह सड़क के लिए मिल रही थी।

दस दिन पहले नगर निगम ने दिए थे नोटिस बाधक निमार्णों को तोड़ने के लिए दस दिन पहले निगम ने लोगों को नोटिस दिए थे और स्वेच्छा से बाधक हिस्से हटाने के लिए कहा था, लेकिन तय मियाद तक लोगों ने निर्माण नहीं तोड़े थे। इस मार्ग पर 800 फ्लैटों की मल्टी भी प्राधिकरण ने बनाई थी, लेकिन कनेक्टिविटी बेहतर नहीं होने के कारण फ्लैट ज्यादा नहीं बिक पाए।

इस सड़क का निर्माण टिगरिया बादशाह से गणपति मंदिर तक किया जा रहा है, और यह सड़क मध्य क्षेत्र को सुपर कॉरिडोर से जोड़ेगी। आगे चलकर यह सड़क एमआर-5 (मेन रोड-5) से जुड़ जाएगी, जो शहर की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी में एक अहम कड़ी साबित होगी।

नक्शे में बदलाव और कनेक्टिविटी सुधार

यह सड़क पहले 60 से 80 फीट चौड़ी थी, लेकिन नगर निगम ने इसे मास्टर प्लान के अनुसार 100 फीट तक चौड़ा करने का निर्णय लिया है। इससे शहर की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यह मार्ग सुपर कॉरिडोर से जुड़ने के बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात को और सुगम बनाएगा।

एमआर-5 सड़क और अतिक्रमण की समस्या

इसी प्रकार, एमआर-5 सड़क के निर्माण कार्य में भी अतिक्रमण रुकावट का कारण बन रहा है। इस सड़क का काम पहले से ही धीमी गति से चल रहा है, जिससे वहां के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, सुपर कॉरिडोर से छोटा बांगड़दा गांव तक सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन उसके आगे इंदौर वायर फैक्ट्री तक के निर्माण में कई अतिक्रमण बाधक बने हुए हैं। सुपर कॉरिडोर के साथ जुड़े इस मार्ग का उद्देश्य शहर के एयरपोर्ट रोड पर ट्रैफिक को कम करना है। जब यह सड़क पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगी, तो इससे ट्रैफिक की समस्या में कमी आएगी और शहर के अन्य हिस्सों तक पहुंचने में आसानी होगी।

आगे क्या होगा?

नंदबाग रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट से स्थानीय निवासियों और शहरवासियों को आने वाले समय में बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रा की सुविधा मिलेगी, लेकिन इस दौरान हुए मकान तोड़े जाने से लोगों में निराशा भी है। नगर निगम को इस प्रक्रिया के दौरान प्रभावित लोगों को उचित पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि उनका जीवन सामान्य हो सके और वे इस विकास परियोजना से प्रभावित हुए बिना पुनः बस सके।

इंदौर-उज्जैन में बिजली सप्लाई में होगा सुधार 5000 करोड़ का होगा निवेश

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश की बिजनेस कैपिटल इंदौर और महाकाल की नगरी उज्जैन में बिजली की समस्या से निपटने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बिजली विभाग ने इन दोनों जिलों के कई औद्योगिक इलाकों में बिजली के ढांचे को मजबूत करने और उसकी देखभाल के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसका मकसद है बिजली कटौती कम करना और लोगों को बिना रुकावट बिजली देना। विभाग की योजना है कि वित्त वर्ष 2024-25 तक इंदौर और उज्जैन के औद्योगिक और रिहायशी इलाकों में लगभग 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके लिए पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) समेत कई योजनाओं के तहत बिजली के ढांचे को आधुनिक बनाया जाएगा और उसकी मरम्मत की जाएगी। एमपीपीईबी की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि हम इंदौर और उज्जैन के सभी 15 जिलों में

बिजली के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य लगभग 5,000 करोड़ रुपए का निवेश करना है। इसमें से लगभग 40 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और बाकी काम इस वित्त वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। हम औद्योगिक और रिहायशी इलाकों में बिना रुकावट बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पुराने तारों को बदल रहे हैं, नए फीडर, ग्रिड और सर्विस स्टेशन लगा रहे हैं। सांवेर रोड, पीथमपुर, पालदा, पोलो ग्राउंड और आसपास के इलाकों के उद्योग संगठनों ने औद्योगिक क्षेत्रों में बार-बार बिजली कटौती पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि बिजली कटौती से उत्पादन में कमी आ रही है और तैयार माल को भी नुकसान हो रहा है। इस क्षेत्र में 4,600 से ज्यादा हाई टेंशन उपयोगकर्ता हैं, जो इंदौर, पीथमपुर, उज्जैन रोड, देवास, पालदा और नेमावर रोड सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में फैले हुए हैं।

शादी का आमंत्रण पत्र डाउनलोड मत करना... हो जाएगा साइबर फ्रॉड

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शादी के सीजन के दौरान साइबर अपराधी नई-नई तरकीबें अपनाकर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में, वाट्सएप पर ई-कार्ड भेजकर ठगी करने का मामला सामने आया है। जैसे ही लोग इन फाइल्स को डाउनलोड करते हैं, उनका मोबाइल हैक हो जाता है। 12 नवंबर से अब तक क्राइम ब्रांच में ऐसी छह शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें चार पीड़ितों से लगभग 8 लाख रुपए की ठगी की गई है। इसके अलावा, अपराधियों ने कुछ मामलों में कॉन्टैक्ट लिस्ट और फोटो गैलरी हैक कर तस्वीरों की मॉर्फिंग करके बदनाम करने की भी कोशिश की है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोदिया ने बताया कि अपराधी एपीके फाइल भेजकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। एंड्रॉइड फोन इस्तेमाल करने वाले कई लोग बिना सोचे-समझे अंजान या परिचित नंबरों से आए ई-कार्ड डाउनलोड कर लेते हैं, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठा रहे हैं। ऐसी फाइल्स को खोलने से पहले सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। ट

एपीके फाइल बिलकुल डाउनलोड न करें

ादि आपके पास कोई ई-कार्ड या निमंत्रण आए, तो पहले भेजने वाले का नंबर चेक करें और उसकी पुष्टि करें। यदि फाइल का नाम एपीके फाइल है, तो इसे बिलकुल भी डाउनलोड न करें। एक मामले में इसी सतर्कता से ठगी को रोका भी गया। साइबर अपराधों से बचने के

लिए लोगों को सलाह दी जाती है कि अनजान फाइल्स को खोलने से बचें, फोन में एंटीवायरस रखें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन या पुलिस को दें। सतर्कता और जागरूकता से ही ऐसे अपराधों से बचा जा सकता है।

4 मामलों में 8 लाख ठगे

इस तरह के 4 मामलों में 8 लाख ठगे गए हैं, उनमें दो मामलों में बैंकिंग, क्रेडिट, डेबिट कार्ड डिटेल और ओटीपी हासिल कर ठगी की। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोदिया ने बताया कि एक मामले में आरोपियों ने पीड़ित का वाट्सएप हैक किया। फिर रिश्तेदार बनकर मदद के नाम पर पैसे ठग लिए। एक अन्य मामले में फोटो को अश्लील बनाकर ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठे।

एपीके फाइल से इस तरह होती है ठगी

एपीके फाइल डाउनलोड होते ही आपके मोबाइल का एक्सेस दूसरों के हाथ में चला जाता है। एपीके का अर्थ होता है (एंड्रोइड पैकेजिंग किट)। इसमें एक एप्लिकेशन कोड होता है और यह फाइल मोबाइल डिवाइस में वायरस इंस्टॉल कर देती है। इससे अपराधी कॉन्टैक्ट लिस्ट, फोटो गैलरी, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड डिटेल और ओटीपी व वाट्सएप तक हैक कर लेते हैं। एपीके आपके मोबाइल का एक्सेस साइबर अपराधियों को दे देती है। इससे हैकर्स डिवाइस (मोबाइल) को नियंत्रित कर सकते हैं। एपीके फाइल फिशिंग अटैक के लिए भी उपयोग की जा सकती है, जिससे आपके डिवाइस में मलिशियस कोड इंस्टॉल हो जाता है।

यह रखें सावधानी

इस तरह की ठगी से बचने के लिए किसी भी तरह की अनजान फाइल डाउनलोड न करें। मोबाइल में किसी भी एप्लिकेशन को ऑफिशियल स्टोर से डाउनलोड करें।

एप्लिकेशन की रेटिंग और रिव्यू चेक करें। एप्लिकेशन के परमिशन की जांच करें। अपने डिवाइस में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें। अपने डिवाइस को नियमित रूप से अपडेट करें।

व्यापारी स्वेच्छा से हटाएंगे अतिक्रमण, नगर निगम खींचेगा लक्ष्मण रेखा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जिला प्रशासन एवं नगर निगम रिमूवल विभाग की अचानक हुई संयुक्त कार्रवाई से मालवा मिल अनाज मंडी व आसपास के क्षेत्र के व्यापारी नाराज थे। कई व्यापारियों के 5000 के चालान भी बनाए गए। आगे के शेड भी तोड़े गए, जिससे व्यापारियों में आक्रोश था। कार्रवाई के बाद रविवार को एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया ने एसडीएम प्रदीप सोनी और जोनल अधिकारी अंकेश बिरथरिया को मौके पर बुलाकर व्यापारियों के हित में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को तीन दिन का समय दिया जाए। पहले भी व्यापारियों ने निगम का साथ दिया था और स्वेच्छा से अपने यहां के अतिक्रमण को हटाया था। एक बार फिर व्यापारी आदर्श उदाहरण पेश करेंगे और प्रशासन व निगम को सहयोग करेंगे। हर व्यापारी निगम द्वारा खींची गई लक्ष्मण रेखा के अंदर ही अपना व्यवसाय करेगा। आपसी समझाइश के बाद व्यापारी और प्रशासन व निगम के अधिकारी भी संतुष्ट नजर आए। अधिकारियों ने भी कहा कि अगर व्यापारियों को हमारी मदद लगे तो हम भी सहयोग के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया ने कहा कि जनहित में और इंदौर का स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए रहवासी व व्यापारी पूरा सहयोग करने को तैयार हैं। इस दौरान प्रमुख रूप से अनोखी पोरवाल, टीकम जोशी, मुकेश देवांग, बृजेश अग्रवाल, विनोद जैन, शैलेंद्र जैन, दिनेश गुप्ता, तपन मित्तल बड़ी संख्या में व्यापारी व रहवासी मौजूद थे।

मंदिर का चबूतरा तोड़ने और बावड़ी में मिट्टी डलवाने पर फैक्ट्री मालिक पर केस

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा पुलिस ने इलाके में मंदिर का चबूतरा तोड़े जाने और बावड़ी में मिट?टी डलवाने को लेकर फैक्ट्री के संचालक और उसके साथियों पर केस दर्ज किया है। यहां रहवासियों ने आरोप लगाया कि खाली पड़ी जमीन पर कब्जे को लेकर सुनियोजित तरीके से यह काम किया गया है। पुलिस केस दर्ज करने के बाद अब पूरे मामले में जांच कर रही है। बाणगंगा पुलिस ने दिलीप सिंह सोलंकी की शिकायत पर गुड?डू हाजी और उसके दो साथियों पर केस दर्ज किया है। सोलंकी ने बताया कि उनके पास कुछ लोग पहुंचे और बताया कि ग्राम नरवल के नाले किनारे जो भेरू बाबा की मूर्ति थी, वह मौके पर नही है और वही पास में जो बावड़ी बनी थी। जिसके आसपास बैठकर लोग पूजा करते है, उसमें मिट्टी भरी हुई है, वही चबूतरा भी टूटा हुआ है। दिलीप सिंह आसपास के लोगों के साथ बावड़ी पर पहुंचे। मौके पर पता चला कि सुपर इंडस्ट्री के नाम से फैक्ट्री संचालित करने वाला गुड्डू हाजी अपने दो साथियों के साथ आया। जिसने मूर्ति उठाकर बावड़ी में डाल दी, इसके बाद उस पर मिट्टी डलवा दी, बात करने पर उसने विवाद शुरू कर दिया। दिलीप के साथ ग्राम नरवल के राधाकृष्ण जायसवाल, राजकुमार शर्मा, प्रतीक सिंह बघेल, राजीव मेहरा, जितेंद्र तिवारी और ईश्वर जोशी सहित कई लोग थाने पहुंचे थे।

स्वच्छता के संदेश के साथ खजराना में दो दिवसीय इज्तिमा का समापन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दावत-ए-इस्लामी इंडिया का दो दिवसीय इज्तिमा खजराना दरगाह मैदान में आयोजित किया गया। इस इज्तिमा में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। इस दौरान वक्ताओं ने लोगों को नेक इंसान बनने, नमाज की पाबंदी करने, कुरआन की तालीम हासिल करने, पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करने, अपने शहर और देश को स्वच्छ रखने, नशे से बचने और मुल्क के कानून का पालन करने की सीख दी। साथ ही, मां-बाप की इज्जत करने, अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और बुराइयों से दूर रहकर अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने का संदेश दिया गया। दावत-ए-इस्लामी इंडिया की ओर से समय-समय पर समाज सेवा के विभिन्न कार्य भी किए जाते हैं। इनमें पौधारोपण, ब्लड डोनेशन कैंप, भोजन वितरण, और प्राकृतिक आपदाओं के समय जरूरतमंदों के लिए सहायता जैसे कार्य शामिल हैं। ये सभी गतिविधियां वतन-ए-अजीज हिंदुस्तान की उन्नति और सेवा के उद्देश्य से की जाती हैं। इज्तिमा के दौरान कुरआन नाजरा मुकम्मल करने वाले बच्चों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया और उनकी हौसला अफजाई की गई।

शहर में गुंडे बेखौफ कर रहे वारदातें

बाइक चुराते गुंडे को दुकानदार ने पकड़ा, पुलिस की गिरफ्त से भाग निकला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में गुंडे छोटे दुकानदारों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। इंदौर में महूनाका चौराहा के पास एक गुंडे ने पोहे का ठेला लगाने वाले गणेश गुर्जर की बाइक चुरा ली। गणेश ने बाइक को धक्का देकर गिराया और गुंडे पर काबू पाने की कोशिश की। उसने चाकू और पिस्टल निकाल ली, लेकिन गणेश ने पकड़ ढीली नहीं होने दी। इस दौरान गुंडे ने गणेश के हाथ और पैर पर काट लिया। इस बीच उसकी मदद के लिए एक सिख परिवार के लोग आ गए औ गुंडे को रस्सियों से बांध दिया। सूचना देने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दो पुलिसकर्मी गुंडे को उठाने पहुंचे तो उसने उनके भी पैरों में काट लिया। उसे पुलिस वाहन में बैठाया। घटना स्थल से अन्नपूर्णा पुलिस थाना आधा किलोमीटर भी दूर नहीं था, लेकिन पांच पुलिस जवान भी गुंडे को नहीं संभाल पाए और वह पुलिस वाहन से उतरकर भाग गया। पुलिसकर्मी उसका पीछा करने में भी असफल साबित हुए। फरियादी गणेश गुर्जर ने बताया कि गुंडा रविवार को पोहा खाने आया था, लेकिन पैसे नहीं चुकाए। इस बात पर कहासूनी हो गई। सोमवार दोपहर वह फिर आया और धीरे से दूसरी चाबी से बाइक का लॉक खोल लिया और उसे लेकर जाने लगा। मैं उसके पीछे दौड़ा और बाइक को जोर से धक्का दिया।

इसके बाद गुंडा सड़क पर गिर पड़ा तो मैंने उसे पकड़ लिया। उसकी जेंब में चाकू और पिस्तौल भी थी। उसे मदद के लिए आए लोगों ने निकाल लिया। हमने उसे रस्सी से बांध दिया और पुलिस के हवाले कर दिया,लेकिन पुलिस वाहन से वह भाग गया।

हफ्ता वसूली करने वाला बदमाश पकड़ाया

इंदौर के खजराना में कैफे संचालक से हफ्ता वसूली करने पहुंचे बदमाश का पुलिस ने जुलूस निकाला। बदमाश के हाथ-पैर में चोट आई थी। जुलूस के दौरान उससे चलते नहीं बन रहा था। इसके बाद इलाके में ले जाकर संचालक से माफी भी मंगवाई गई। खजराना इलाके में पिछले दिनों साजिद अली नाम के कैफे संचालक से इमरान गौरी और उसके साथियों ने नशे और खर्चे के लिए 10 हजार रुपए मांगे थे। पुलिस में शिकायत के बाद सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसका जुलूस निकाला गया। बदमाश इमरान गौरी के हाथ पैर भागने के दौरान टूट गए थे। पुलिस को सहारा देकर उसे चलाना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने उससे माफी भी मंगवाई।

पिस्टल के साथ पकड़ाए दो बदमाश

खजराना पुलिस ने रविवार रात में देशी पिस्टल और कारतूस के साथ इलाके के दो बदमाशों को पकड़ा है। आरोपियों से एक देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। आरोपी इलाके में वारदात करने के लिए घूम रहे थे। टीआई मनोज सेंधव की टीम ने अकरम उर्फ चीना और भय्यू सुरीला को पकड़ा है। आरोपियों के पास से एक अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। दोनों पर पूर्व में हत्या के प्रयास, लूट जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस पकड़ाए आरोपियों का भी जल्द जुलूस निकालेगी।

वीआईपी इलाकों की सड़कों को ज्यादा तरजीह, आम लोग चल रहे गड्ढों में

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में वीआईपी लोगों द्वारा इस्तेमाल होने वाली सड़कों की मरम्मत को आम जनता की सड़कों से ज्यादा तरजीह दी जा रही है। इससे आम लोगों को खराब सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पीडब्ल्यूडी को सड़क मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं, लेकिन ज्यादातर पैसा वीआईपी इलाकों की सड़कों पर ही खर्च किया जा रहा है। भोपाल में सड़क मरम्मत का काम प्राथमिकता को लेकर सवालों के घेरे में है। वीआईपी इलाकों की सड़कों को नया रूप दिया जा रहा है, जबकि आम लोगों के इलाकों की सड़कों की हालत खस्ता बनी हुई है। लोक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्यूडी को मिले सड़क मरम्मत बजट का एक बड़ा हिस्सा वीआईपी इलाकों, सरकारी बंगलों और पॉश कॉलोनियों की सड़कों पर खर्च किया जा रहा है। इससे आम लोगों में नाराजगी है।

यह खर्च हुए करोड़ों रुपए

पीडब्ल्यूडी को भोपाल में सड़क मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट मिला है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा राजभवन की नई सड़क, 45 बंगलों, नॉर्थ टीटी नगर की आंतरिक सड़कों, लिंक रोड 3 और शिवाजी नगर की सड़क पर नई बिटुमेन परत बिछाने पर खर्च किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी बंगलों और ई-1 से ई-4 अरेरा कॉलोनी की सड़कों को भी प्राथमिकता दी गई है। सूत्रों के मुताबिक इन कामों पर करीब 12 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

आम इलाकों की सड़कें जर्जर

पीडब्ल्यूडी भोपाल में लगभग 550 किलोमीटर सड़क की देखरेख करता है। सड़क मरम्मत पैकेज में कुछ अन्य इलाके भी शामिल हैं। जैसे कैप्टन रोड कन्हैया और 60 फीट रोड। हालांकि, आम लोगों के इलाकों की कई सड़कें जर्जर हालत में हैं, जिनकी मरम्मत की दरख्वास्त लंबे समय से लंबित है।

बीएमसी पर भी लंबित है काम

भोपाल नगर निगम शहर की लगभग 3,000 किलोमीटर की आंतरिक सड़कों की देखरेख करता है। हालांकि, बीएमसी ने अभी तक वीआईपी सड़कों की मरम्मत शुरू नहीं की है। मुख्य सड़कों के गड्ढों को मलबे और बिटुमेन से भरकर अस्थायी मरम्मत की गई है, लेकिन व्यापक सड़क निर्माण अभी भी लंबित है।

टेंडर में देरी होने से काम में देर

पिछले साल बीएमसी ने सभी 21 बीएमसी क्षेत्रों (85 वार्ड) में सड़कों के पैचवर्क और डामरीकरण पर 1.5 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई थी। राजधानी में लगभग 300 प्रमुख सड़कों की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। पहले उम्मीद थी कि पैचवर्क अक्टूबर में पूरा हो जाएगा, लेकिन मंजूरी और टेंडर प्रक्रिया में देरी के कारण इसमें और देरी हो रही है।

आपसी समन्वय में कमी भी है कारण

राजधानी में सड़कों के रखरखाव और विकास का जिम्मा पीडब्ल्यूडी, सीपीए और भोपाल नगर निगम (बीएमसी) समेत कई एजेंसियों के पास है। यह जिम्मेदारी कई एजेंसियों में बंटी होने के कारण समन्वय की कमी और देरी होती है। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी 16 लाख रुपये की लागत से एक पुल और उसके एप्रोच रोड की मरम्मत का काम भी शुरू करेगा। इसके तहत पुल की संरचना और उससे जुड़ी सड़कों की मरम्मत की जाएगी। साथ ही, पीडब्ल्यूडी 16 लाख रुपये की लागत से एक अंडर ब्रिज निर्माण के लिए पुल और एप्रोच रोड का काम भी करेगा।

सड़क संकेतों को बेहतर बनाने की भी योजना

पीडब्ल्यूडी शहर में सड़क संकेतों को बेहतर बनाने की भी योजना बना रहा है। लगभग 21 लाख रुपए की लागत वाली इस पहल का उद्देश्य सड़क की दिशाओं की कमी की समस्या का समाधान करना है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी मौजूदा संकेतों और सड़क के फर्नीचर का फिर से मूल्यांकन करेगा।

एनएच-46 के एक हिस्से के लिए बागवानी और अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था के साथ सौंदर्यीकरण और भूनिर्माण परियोजना की भी योजना बनाई गई है। यह परियोजना लालघाटी चौराहे से मुबारकपुर (भोपाल बाईपास) किलोमीटर तक फैले हिस्से को कवर करेगी। इसका उद्देश्य राजमार्ग खंड के सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाना है। इसमें भूनिर्माण, बागवानी और अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था शामिल है।

असली पुलिस को स्क्रीन पर नकली पुलिस ने धमकाया

राजधानी में अब स्कूल प्राचार्य हुए डिजिटल अरेस्ट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पार्सल में टाइगर की खाल व फर्जी पासपोर्ट होने की बात बताते हुए ठगों न स्कूल प्राचार्य व उनकी पत्नी को कार्रवाई के नाम पर धमकाया तथा बाद में डिजिटल अरेस्ट कर दिया। उनसे बैंक खातों की डिटेल भी ली गई। ठगी का आभास होते ही प्राचार्य ने स्क्रीन ऑफ की तथा डिजिटल दफ्तर पहुंच गए। यहां पर नकली पुलिस का सामना असली पुलिस से हो गया। पूरी वारदात का भंडाफोड़ होने से खिसियाए बदमाशों ने स्क्रीन पर असली पुलिस को ही धमकाना शुरू कर दिया। इस मामले में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें पीड़ित ने पूरी घटना के बारे में बताया है। इधर पुलिस के अधिकारियों ने प्रकरण की जानकारी न होने की बात कही है। जानकारी के अनुसार निजी स्कूल के संचालक व प्राचार्य फारुख अंजुम खान कोहेफिजा की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते हैं। शनिवार दोपहर उनके मोबाइल पर एक कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि मैं डीएचएल से बात कर रहा हूं। दिल्ली से बैकॉक जाने वाला आपका एक पार्सल है जो कि कस्टम में फंस गया है। आप कुछ क्लेरीफाई कर दें तो उसे आगे फारवर्ड किया जाए। फारुख ने कहा कि मैंने कोई पार्सल नहीं भेजा है। इस पर व्यक्ति ने कहा कि इसमें आपका आधार कार्ड लगा हुआ है। यह सुनते ही फरुख परेशान हो गए। करोड़ों रुपए मनी लांड्रिग का मामला बताया इसके बाद व्यक्ति ने बताया कि पार्सल में टाइगर की खाल

है, नाखून हैं। 8 एटीएम कार्ड हैं, जूते हैं, 8 किलो कपड़े हैं इसके अलावा 18 पासपोर्ट भी हैं। सामान की यह सूची सुनते ही फरुख घबराए, लेकिन उन्होंने कहा यह पार्सल मेरा नहीं है। इस पर खुद को डीएचएल का कर्मचारी बता रहे उस व्यक्ति ने कहा कि अगर आपको लगता है कि कुछ गड़बड़ है तो आप दिल्ली सायबर सेल में शिकायत कर दें। इसके बाद उस व्यक्ति ने दिल्ली सायबर सेल से कनेक्ट कर दिया।

इस सेल के अधिकारियों ने स्काइप एप लोड करवाने के बाद स्क्रीन पर बात करना शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि आपके आधार कार्ड से अलग-अलग राज्यों में कई खाते खुले हैं, करोड़ों रुपए मनी लांड्रिग का मामला भी है। फर्जी अधिकारियों ने कहा कि आपके खिलाफ वारंट जारी करना होगा। तीन महीने तक जांच चलेगी। उन्होंने बैंक खातों की जानकारी ले ली। इसके बाद उन्होंने फारुख व उनकी पत्नी को कमरे से कहीं भी बाहर नहीं जाने को कहा। आप मोबाइल व लैपटॉप को टच नहीं करेंगे।

रात हो जाने पर उन्होंने कहा कि आप लोग लाइट बंद कर दीजिए, लेकिन स्क्रीन ऑफ नहीं करेंगे। अगले दिन सुबह फारुख दराज में रखा हुआ मोबाइल छिपाते बाथरूम में गए यहां पर उन्होंने सर्च किया तो उन्हें आभास हो गया कि वे डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो गए हैं। बाथरूम से बाहर आते ही उन्होंने मोबाइल व लैपटॉप को बंद किया तथा भोपाल सायबर सेल के दफ्तर पहुंच गए।

2025 के मध्य तक मेट्रो की सवारी कर पाएंगे भोपाल के लोग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। क्या भोपाल के निवासी 2025 के मध्य तक मेट्रो की सवारी कर पाएंगे? मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस सवाल को लेकर आशावादी है। उनका कहना है कि 2025 के मध्य तक कभी भी इसे शुरू किया जा सकता है। डिपो और एम्स भोपाल के बीच ट्रायल रन जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस बात की उम्मीद बढ़ रही है कि जुलाई तक भोपाल मेट्रो का व्यावसायिक संचालन शुरू हो जाएगा। एमपीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक एस कृष्ण चैतन्य ने कहा कि हम जुलाई 2025 तक आठ स्टेशनों (सुभाष नगर से एम्स भोपाल) को चालू करने की योजना बना रहे हैं, जो लगभग 7 किलोमीटर है। मेट्रो को कमर्शियली शुरू करने के लिए सिविल और सिस्टम कार्यों का एकीकरण भी पूरा किया जा रहा है। एमपीएमआरसीएल के अधिकारियों का कहना है कि 25 के मध्य से पहले नहीं। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का पहला चरण - 31 किलोमीटर लंबा - सुभाष नगर से एम्स भोपाल तक 7 किलोमीटर के ब्लॉक पर पूरा होने वाला है, जिसमें सिविल और सिस्टम एकीकरण चल रहा है। जल्द ही ट्रायल रन शुरू होने की उम्मीद है। हबीबगंज रेल ओवर ब्रिज का निर्माण पूरा हो जाने से, जो मेट्रो रेल को एम्स भोपाल से जोड़ेगा, इस प्रोजेक्ट के जल्द शुरू होने की आशा बढ़ी है।

7 किलोमीटर के रास्ते में 8 स्टेशन

सुभाष नगर से एम्स भोपाल तक का 7 किलोमीटर का हिस्सा अपने अंतिम चरण में है, जिसमें सिविल और सिस्टम कार्यों को एकीकृत किया जा रहा है। इस रास्ते के तीन मेट्रो स्टेशनों डीआरएम ऑफिस, एम्स भोपाल और अलकापुरी के आने वाले हफ्तों में पूरा होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर 7 किलोमीटर के मार्ग पर आठ मेट्रो स्टेशन हैं।

जनवरी 2025 में 7 किलोमीटर का ट्रायल

जल्द ही, ट्रायल रन के लिए डिपो से एम्स तक भोपाल मेट्रो रेल के आने-जाने की आवाज रोजमर्रा की बात हो जाएगी। आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद, यात्री सेवा भी शुरू हो जाएगी। जनवरी 2025 तक 7 किलोमीटर के हिस्से में ट्रायल रन किए जाने की उम्मीद है। भोपाल मेट्रो ने पहले चरण के लिए 27 ट्रेनों का ऑर्डर दिया है, जिसमें दो लाइनें शामिल होंगी- एम्स से करोंद और रत्नागिरी से भदभदा। ऑरेंज और ब्लू लाइन की लंबाई 31 किलोमीटर बताई जाती है।

जमीन बेचने के बाद मांग रहे थे 10 करोड़

प्रॉपर्टी डीलर को अगवा कर वसूली 30 लाख की फिरौती

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर को उसके ही दोस्तों ने अगवा कर लिया और फिरौती में 10 करोड़ रुपये की मांग की। पीड़ित व्यक्ति की पत्नी ने अगवा करने वालों के साथी को 30 लाख रुपये दिए तो आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को घर छोड़ गए। उन्होंने पुलिस में शिकायत नहीं करने की धमकी दी थी। अगवा करने की घटना मुरैना में हुई थी, जबकि प्रॉपर्टी डीलर से पूर्व से ही पैसे मांगे जा रहे थे। इसलिए कोलार पुलिस ने आवेदन मिलने पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कोलार इलाके में रहने वाली ऋचा गौर ठाकुर पत्नी नीतेश ठाकुर (35) ने 15 नवंबर को कोलार थाने में आवेदन दिया था। शिकायत में बताया गया कि वह अपने पति नीतेश ठाकुर के साथ रियल स्टेट का कारोबार करती हैं। उनके पति नीतेश ठाकुर का बंदूक की नोंक पर अगवा कर मारपीट की गई है। शिकायत में उन्होंने संजय रावत, पंकज परिहार, हेमंत चौहान, ओम राजावत, आकाश राजावत और अन्य लोगों पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरेपी पक्ष को अपनी बात रखने के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं आए तो पुलिस ने उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। डीसीपी जोन-4 जीतेन्द्र सिंह पवार ने बताया पीड़ित प्रॉपर्टी डीलर बैंकॉक घूमने गया था। वहां से लौटने के बाद दिल्ली से भोपाल सड़क मार्ग से लौट रहा था, तभी मुरैना जिले में उसे अगवा कर लिया गया था। पत्नी ने आरोपियों के एक साथी को तीस लाख रुपये दिए, जिसके बाद पति को छोड़ दिया गया। प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी ने पुलिस को बताया कि संजय उनके पति के पहले से परिचित हैं। उनका और उनके साथियों के घर आना जाना था। कुछ समय पहले नीतेश ने बिलखिरिया खुर्द स्थित 14.77 एकड़ भूमि एक बिल्डर को बेची थी। जमीन का पैसा मिलने की जानकारी उन लोगों को थी। इसके एवज में वह दस करोड़ रुपये की मांग कर रहे थे। ठाकुर दंपती ने उन्हें रुपए देने से मना कर दिया था। उसके बाद बहाने से नीतेश को बैंकॉक ले जाया गया और वापस लौटते समय अगवा कर तीस लाख रुपये की फिरौती ले ली गई।

जालसाजों को बेचे गए खातों की जांच शुरू, लापरवाह बैंककर्मी भी घेरे में

छानबीन के लिए इंदौर और बिहार पहुंची पुलिस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। फर्जी आधार कार्ड से बैंक एकाउंक खोलकर सायबर जालसाजों को बेचने वाले गिरोह के 6 सदस्यों को न्यायालय में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। इसके साथ ही पुलिस की अलग-अलग टीमों को इंदौर और बिहार के लिए रवाना किया गया है। यह टीमें प्रारंभिक जांच में सामने आए बैंक खातों की छानबीन कर पता लगाएगी कि अब तक कितना ट्रांजेक्शन हो चुका है। इस मामले में अनडिलीवर आधार कार्ड उपलब्ध कराने वाले बिहार और झारखंड के डाकियों तथा खाता खोलने में लापरवाही बरतने वाले बैंक कर्मचारियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार एक ही प्रकार के फोटो लगे अलग-अलग आधार कार्ड से मोबाइल सिम खरीदने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने पिछले दिनों इब्राहिमपुरा स्थित एक फ्लैट पर दबिश दी थी। यहां से 6 युवक और एक युवती समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था। तलाशी में उनके पास सैकड़ों की संख्या में फर्जी आधार कार्ड, एटीएम कार्ड,

पैनकार्ड, सिमकार्ड, 20 मोबाईल फोन, 2 प्रिंटर, 1 लैपटॉप, 1 पैन ड्राइव और 8 हिसाब किताब की कॉपियां जब्त की गई थी। पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह अनडिलीवर हुए आधार कार्ड के माध्यम से पैन कार्ड बनवाते थे और बाद में उसी दस्तावेज से मोबाइल सिम खरीदकर बैंकों में खाते खुलवाते थे। बाद में यह खाते सायबर जालसाजी करने वालों को 10 हजार रुपए में बेच देते थे।

रिमांड पर लेकर चल रही पूछताछ

पुलिस ने इस मामले में आरोपी शशिकांत उर्फ मनीष, सपना उर्फ साधना पान, अंकित कुमार साहू उर्फ सुनील, कौशल माली उर्फ पंकज, रोशन कुमार, रंजन कुमार उर्फ विनोद, और मोहम्मद टीटू उर्फ विजय बताए। यह सभी बिहार के रहने वाले हैं। इस मामले में युवती को छोड़कर बाकी सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अभी तक देश के विभिन्न शहरों से कुल 1800 मोबाइल सिम खरीदने की बात स्वीकार की है। भोपाल और इंदौर में करीब डेढ़ सौ बैंक एकाउंट्स का पता चला है, जिसकी छानबीन की जा रही है।

राजधानी में ठंड का असर, बढ़ाया जा रहा सुबह लगने वाले स्कूलों का समय

भोपाल। मध्य प्रदेश के तापमान में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है राजधानी भोपाल में भी ठंड का असर बढ़ने लगा है। भोपाल में सुबह लगने वाली स्कूलों ने अपना समय बढ़ाना शुरू कर दिया है। दरअसल सर्द हवाएं चलने से ठंड का असर है। इस वजह से अब स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है। भोपाल में कई प्राइवेट स्कूलों ने 30 मिनट तक टाइमिंग बढ़ा दी है। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन में भी समय बदलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर के बाद सर्दी का असर और बढ़ेगा।

रात के तापमान में आ रही गिरावट

प्रदेश में ठंड का असर दिखने लगा है पचमढ़ी सबसे ठंडा है यहां का न्यूनतम पर 7.8 तक लुढ़क चुका है। मौसम विभाग की माने तो पहाड़ों में जेटस्ट्रीम हवाएं चलने और वेस्टर्न डिस्टबेंस (पश्चिम विक्षोभ) की वजह से पिछले एक सप्ताह से कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर लुढ़का है। भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक कम है। वहीं, ग्वालियर-इंदौर में सामान्य के बराबर है।आने वाले तीन-चार दिनों में कई शहरों में रात के टेम्प्रेचर में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर-चंबल संभाग में ठंड का असर ज्यादा बढ़ा रहेगा। राजधानी भोपाल के कई निजी स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है जिनमें से कोलार, अरेरा कॉलोनी और ईदगाह हिल्स स्थित सेंट जोसेफ स्कूल ने अपनी टाइमिंग बढ़ा दी है। जो स्कूल सुबह 7.30 बजे शुरू होते थे, वह आज से सुबह 8 बजे लगना शुरू हो गए हैं। सेज इंटरनेशनल स्कूल ने एक हफ्ते पहले ही समय में बदलाव कर दिया था। अन्य स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है।

मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान

पचमढ़ी में रविवार-सोमवार की रात तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, भोपाल में 13.2 डिग्री, इंदौर में 15.7 डिग्री, ग्वालियर में 16.2 डिग्री, उज्जैन में 15 डिग्री और जबलपुर में 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। भोपाल और जबलपुर में पारा सामान्य से नीचे रहा।

इसी तरह छिंदवाड़ा में 12.6 डिग्री, मंडला में 10.2 डिग्री, नौगांव में 12.2 डिग्री, रीवा में 12.6 डिग्री, उमरिया में 11.6 डिग्री और बालाघाट में 11.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

सम्पादकीय

सरकारी अस्पताल में 12 नवजातों की मौत का जिम्मेदार कौन?

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की रात भीषण आग लग गई थी। घटना में 10 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक नवजात ने रविवार को दम तोड़ दिया। जबकि एक और नवजात ने सोमवार को दम तोड़ दिया। 12 नवजात की मौत हो चुकी है। इस घटना की मंडलायुक्त द्वारा जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। जबकि, स्वास्थ्य चिकित्सा महानिदेशक की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय टीम जांच शुरू करेगी। लेकिन, इन सब के बीच अब तक घटना का मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। इसके अलावा घटना को लेकर मेडिकल कॉलेज के किसी कर्मचारी, अधिकारी व अन्य किसी की अब तक जवाबदेही तय नहीं की गई है।

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में अग्निकांड की घटना के 48 घंटे बाद भी कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई। इसके अलावा घटना को लेकर अस्पताल के किसी कर्मचारी की जवाबदेही भी तय नहीं की गई। जबकि घटना की एक जांच पूरी हो चुकी है। अन्य जांचें जारी हैं। मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू वार्ड में शुक्रवार की रात भीषण आग लग गई थी। घटना में 10 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक नवजात ने रविवार को दम तोड़ दिया। जबकि एक और नवजात ने सोमवार को दम तोड़ दिया। 12 नवजात की मौत हो चुकी है। इस घटना की मंडलायुक्त द्वारा जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। जबकि, स्वास्थ्य चिकित्सा महानिदेशक की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय टीम जांच शुरू करेगी। लेकिन, इन सब के बीच अब तक घटना का मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। इसके अलावा घटना को लेकर मेडिकल कॉलेज के किसी कर्मचारी, अधिकारी व अन्य किसी की अब तक जवाबदेही तय नहीं की गई है। यह स्थिति तब है, जब यह मामला लखनऊ से लेकर दिल्ली तक में गूंज रहा है और विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाए हुए हैं। नवजातों की मौत को लेकर विपक्षी दल लगातार सरकार को घेर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज में आग से बचाव के समुचित इंतजाम नहीं थे, इसकी पुष्टि फरवरी में हुई फायर ऑडिट रिपोर्ट में हुई है। इन कमियों को दूर करने के लिए कॉलेज प्रशासन ने शासन को एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर भेजा था। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने के बाद बताया था कि फरवरी में मेडिकल कॉलेज की फायर ऑडिट हुई और जून में मॉक ड्रिल कराया गया था। वहीं, कॉलेज के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि फरवरी में हुई ऑडिट रिपोर्ट में काफी खामियां मिली थीं, जिसमें एसएनसीयू भी शामिल था। खामियों को जल्द से जल्द दूर करने के लिए भी कहा गया। प्राचार्य डॉ. एनएस सेंगर का कहना है कि फायर ऑडिट में मिली खामियों को दूर करने के लिए शासन को एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया था। मिले 46 लाख रुपए से बिजली की खामियों को दूर कराया। जून में 126 फायर इस्टिंग्युशर रीफिल कराए हैं।18 बेड के एसएनसीयू वार्ड में 49 बच्चे भर्ती थे। इसकी वजह से लगातार जीवनरक्षक उपकरण चल रहे थे। ओवरलोडिंग से स्पार्किंग हुई और आग लगी। नवजात बच्चों की संख्या ज्यादा थी, उनके लिए रखे ऑक्सीजन सिलिंडर भी अधिक रखे थे। इससे भी आग बढ़ी। लगातार चल रहे उपकरणों को 3 से 4 घंटे बाद बंद करना था। यह प्रक्रिया भी नहीं की गई, जिससे प्लग पॉइंट गर्म हुए। शाम 5 बजे पहली बार शॉर्ट सर्किट हुआ था, तब ही संज्ञान क्यों नहीं लिया गया। उसी समय इसे ठीक कर दिया जाता तो हादसा नहीं होता। पिछला गेट बंद क्यों था। अगर ये खुला होता तो बच्चों को बचाया जा सकता था। कई अग्निशामक यंत्र भी एक्सपायर्ड हो चुके थे। मौके पर यह भी काम नहीं आ सके। फरवरी में हुई फायर ऑडिट में तमाम खामियां मिली थीं। इसको दूर करने के लिए प्रस्ताव भी बना था। अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता से क्यों नहीं लिया गया। झांसी मेडिकल कॉलेज की एसएनसीयू में लगी आग से करीब दो करोड़ रुपए के जीवनरक्षक उपकरण जल गए हैं। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के अनुसार एसएनसीयू में नवजात शिशुओं की हालत ज्यादा खराब होने पर ही भर्ती किया जाता है। प्राचार्य डॉ. एनएस सेंगर ने बताया कि वार्ड में बच्चों के उपचार के लिए उच्च गुणवत्ता के आठ वेंटिलेटर, बबल, सी-पैप, एचएफएनसी (हाईफ्लो नैच्युरल कैंडुला) मशीन, एचएफओ, 18 क्रेडल आदि मशीनें थीं जिनकी कीमत दो करोड़ रुपए से ज्यादा है। सभी मशीनें जल गई हैं। वहीं आग लगने के बाद एसएनसीयू से बच्चों को निकाल लिया गया मगर समुचित उपचार की दिक्कत खड़ी हो गई। इस पर कॉलेज प्रशासन ने वार्ड नं. पांच में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन बेड बिछाकर निक्कू वार्ड बना दिया।

क्या सबसे गर्म नवंबर की तरफ बढ़ रहे हम

मौसम विज्ञानी मानते हैं कि धरती के तापमान में अगर एक फीसदी की और बढ़ोतरी हुई, तो त्राहि-त्राहि मच जाएगी। इसके आसार अभी से दिखने लगे हैं। गई मई और जून को भारतीय मौसम विभाग ने आजाद भारत के इतिहास में सर्वाधिक गर्म करार दिया है। अगर यही हाल रहा, तो नवंबर भी इस बदनसीब सूची में एक और संख्या बढ़ाने जा रहा है। अगर ऐसा होता है, तो साल के 12 में से तीन महीने रिकॉर्डतोड़ गर्म साबित होंगे, यानी हमने 25 फीसदी समय ऐसी गर्मी में गुजारा, जिसके लिए हमारा दिल, दिमाग और देह अभ्यस्त नहीं हैं। मामला महज गर्मी तक नहीं सीमित नहीं है। अब बरसात और सर्दियां भी असामान्य होने लगी हैं।

नवंबर खरामा-खरामा बीतने को है। यकीनन आप भी मेरी तरह सोच रहे होंगे कि इस साल ठंडक हमारे दरवाजे पर कब दस्तक देगी? सर्दी जब आएगी, तब आएगी, पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर अभी से अंधा बना देने वाले कुहासे ने कब्जा जमा लिया है। राजधानी के तमाम हिस्सों में वायु की गुणवत्ता रह-रहकर खतरनाक की सीमा से परे चली जाती है। गए बुधवार को दिल्ली संसार की सबसे प्रदूषित राजधानी घोषित की गई। इससे दो दिन पूर्व देहरादून से तो और भी आश्चर्यजनक खबर आई थी। वहां की हवा एनसीआर से भी ज्यादा खराब पाई गई थी। तय है, पहाड़ हो या तराई या समुद्र तट, प्रदूषण ने हमें हर ओर से चपेट में ले लिया है। यहां मैं कुछ आंकड़े आपसे साझा करना चाहूंगा।

वह 1974 की 2 अक्टूबर थी और मौसम विभाग ने नई दिल्ली में तापमान दर्ज किया था 35 डिग्री। उस दिन न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। 50 साल बाद इस तारीख को देश की राजधानी में अधिकतम 37 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यह मत सोच बैठिएगा कि अधिकतम तापमान में सिर्फ दो डिग्री की बढ़त भला क्या कहर ढा सकती है? यूरोप के मध्यकालीन इतिहास की उपज औद्योगिक क्रांति के बाद गुजरी ढाई शताब्दियों में तापमान में सिर्फ 1.1 से 1.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई, लेकिन इसने गजब कर दिया। तमाम जगहों पर बेइंतिहा गर्मी पड़ने लगी। नदियों में जल का प्रवाह कम हो गया। अंटार्कटिका और साइबेरिया में हिम तेजी से पिघल उठे। कई स्थानों से तो लोगों को जलावतनी तक पर मजबूर होना पड़ा।

मौसम विज्ञानी मानते हैं कि धरती के तापमान में अगर एक फीसदी की और बढ़ोतरी हुई, तो त्राहि-त्राहि मच जाएगी। इसके आसार अभी से दिखने लगे हैं। गई मई और जून को भारतीय मौसम विभाग ने आजाद भारत के इतिहास में सर्वाधिक गर्म करार दिया है। अगर यही हाल रहा, तो नवंबर भी इस बदनसीब सूची में एक और संख्या बढ़ाने जा रहा है। अगर ऐसा होता है, तो साल के 12 में से तीन महीने रिकॉर्डतोड़ गर्म साबित होंगे, यानी हमने 25 फीसदी समय ऐसी गर्मी में गुजारा, जिसके लिए हमारा दिल, दिमाग और देह अभ्यस्त नहीं हैं।

मामला महज गर्मी तक नहीं सीमित नहीं है। अब बरसात और सर्दियां भी असामान्य होने लगी हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में पिछली 2 जुलाई को दक्षिण-पश्चिम मानसून छा गया था। इस साल सामान्य से करीब आठ फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर इसमें आश्चर्यजनक परिवर्तन पाए गए। कई स्थान ऐसे थे, जहां एक ही दिन में इतिहास बना देने वाली बारिश हुई, तो कहीं सूखा पड़ गया। अगस्त के अंत तक पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे तमाम प्रदेशों के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में दहाई अंकों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। तमाम शहर ऐसे थे, जहां एक भाग में लबालब पानी भरा हुआ था, तो दूसरा रीता पड़ा था। यह बारिश की दिलफरेबी है। आंकड़े कहते हैं कि औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई, परंतु बड़ा हिस्सा सिंचाई योग्य जल भी नहीं अर्जित कर पाया। इससे नदियों के प्रवाह पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

पिछले दिनों एक खबर छपी थी कि बिहार की 10 से ज्यादा नदियां मृतप्राय हो गई हैं। सिर्फ बिहार की ही क्यों, ऐसा कौन सा प्रदेश है, जहां छोटी नदियां दम नहीं तोड़ रहीं? दिल्ली से ही सटी बहती है हिंडन। इसके उद्धार के लिए जन-प्रतिनिधियों द्वारा वर्षों से दावे-प्रतिदावे हो रहे हैं। नदी की ओर देखिए, तो लगेगा जैसे एक बड़ा गंदा नाला उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में बह रहा है, जिसे लोग हिंडन के नाम से जानते हैं।

याद रखिए, नदियां छोटी या बड़ी नहीं होतीं। वे हमारी सभ्यता और संस्कृति की रचयिता भी होती हैं। एक वक्त था, जब ऐसी नदियों से हजारों बीघा जमीन सिंचित होती थी। उनके किनारों पर पानी बिना खुदाई के मिल जाता था। लाखों लोग उनसे जीवन-यापन करते थे। सिर्फ इंसान ही क्यों, जलीय जीव भी इसमें शामिल हैं। पर्यावरण के निर्माण में उनकी भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण हुआ करती थी। प्रदूषित हवा, जल की कमी और बेतहाशा गर्मी के कारण हमारे शहरों से गौरैया तक गायब हो गई हैं। कल क्या-क्या गायब हो जाएगा, कोई नहीं जानता।

आश्चर्यजनक तौर पर इंसानियत के लिए सर्वाधिक जरूरी इस मुद्दे पर हमारे यहां भयंकर चुप्पी छाई हुई है। यही वजह है कि अदालतों को अकसर दखल देना पड़ता है। पिछले दिनों प्रदूषण संबंधी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सुप्रीम कोर्ट ने जोरदार फटकार लगाई। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इनके आस-पास के इलाकों में पराली जलाने पर एक भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इससे साफ है कि आयोग इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई कि जिस बैठक में पराली जलाने के मामलों पर चर्चा होनी थी, उसमें आयोग के 11 सदस्यों में से सिर्फ पांच मौजूद थे।

पिछले हफ्ते की शुरुआत में भी आला अदालत ने दीवाली के मौके पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर सरकारी मशीनरी को फटकार लगाते हुए कहा कि कोई भी धर्म प्रदूषण फैलाने की इजाजत नहीं देता। सिर्फ दीवाली पर ही क्यों, आपको तो बारहों महीने पटाखों पर रोक लगा देनी चाहिए। अदालत ने इसके लिए समिति बनाकर नियम तय करने को कहा है। अगली सुनवाई 25 नवंबर को है, उससे पूर्व सरकारी मशीनरी को फैसला ले लेना है।

यही वह मुकाम है, जहां यह सवाल सिर उठाता है कि हर मामले में अदालतें कितना और कहां तक दखल देंगी? उनकी अपनी सीमा है। सालों से वहां लाखों मुकदमे लंबित हैं। जजों के पद रिक्त हैं और मुकदमों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। यह सरकार और समाज का साझा मामला है। अगर सरकार की बात करें, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि देश भर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में 11,562 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 5,671 खाली हैं, अर्थात् 49 फीसदी पदों पर तो लोग ही नहीं हैं। दो राज्य तो ऐसे भी हैं, जहां 60 फीसदी से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। तंत्र की यह उदासीनता हमें कहां ले जाकर पटकेगी?

अब आते हैं समाज पर। हमारे यहां बहुत कम लोग हैं, जो इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हैं। झारखंड और महाराष्ट्र में चल रहे चुनाव इसका उदाहरण हैं। दोनों ही राज्य सूखे से प्रभावित हैं, लेकिन न तो जनता और न नेता इस पर किसी चर्चा को तैयार हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बंटने के अभ्यस्त हमारे इस समाज को देखकर भला कौन कह सकता है कि हमारे पुरखे प्रकृतिपूजक थे!

बता दें कि ला नीना की स्थितियां न बनने से सर्दी पर ब्रेक लग गया है। मौसम विज्ञानी इस बात से चिंतित हैं कि अभी तक ला नीना क्यों नहीं बन पाया है। ऐसा ही रहा तो आगे पड़ने वाली सर्दी भी प्रभावित हो सकती है। इससे चरम दिवसों की संख्या बढ़ सकती है। ला नीना की स्थितियां उदासीन यानी न्यूट्रल बनी हैं। इस कारण अधिकतम तापमान में जो गिरावट दर्ज की जानी थी, वह नहीं हो पाई। न्यूनतम पारा सामान्य से अधिक चल रहा है। ज्यादा तो दूर गुलाबी सर्दी का अहसास भी नहीं हो रहा है। अधिकतम तापमान अप्रत्याशित रूप से 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यह सब पूर्वानुमान के विपरीत है। अक्टूबर में दिन का औसत तापमान सामान्य से अधिक रहा। ऐसी ही स्थितियां नवंबर में भी बन रही हैं। उत्तर-पूर्वी हवाओं का दबाव खत्म नहीं हो रहा, इसलिए उत्तर-पश्चिमी हवाएं नहीं चल पा रहीं। बंगाल की खाड़ी में हल्के चक्रवात अभी भी बनने से पूर्वी हवाएं हावी हैं। इससे तापमान घटने के बजाए बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय के मुताबिक अब तक भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने जाड़े का पूर्वानुमान जारी नहीं किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक स्तर पर मौसम में बदलाव है। ला नीना अब तक न्यूट्रल स्थिति में बना है जिसे एक माह पहले बदल जाना चाहिए था। उनके मुताबिक ला नीना की स्थितियां न बनने से नवंबर की सर्दी में अपेक्षित बदलाव नहीं आ रहा है। यही स्थितियां रहीं तो जाड़े की शुरुआत देर से होगी। इस दौरान जाड़े का चरम भी दिखाई देगा। प्रशांत महासागर के भूमध्य रेखा पर समुद्र का तापमान औसत से कम होने की घटना को ला नीना कहते हैं। यह स्थितियां नवंबर से जनवरी तक बन जाती हैं। इस साल नवंबर से अगले साल जनवरी तक ऐसी स्थितियां बनने से देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिम हिस्से में तापमान गिरना चाहिए लेकिन अब तक संकेत नहीं मिले हैं।

सरकार का एक तिहाई अनाज गरीबों तक नहीं पहुंच रहा

सरकार की तरफ से भेजा जा रहा करीब एक- तिहाई अनाज गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है। एक आर्थिक थिंक टैंक की तरफ से जारी एक पेपर में खुलासा किया गया है कि भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 28 प्रतिशत अनाज कभी भी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंचता है। इससे सरकारी खजाने को 69,000 करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। साथ ही, इस प्रणाली में तत्काल सुधार की मांग की गई है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) और एफसीआई के अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक के मासिक उठाव के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। पेपर का अनुमान है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं अपने इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचने में विफल रहते हैं। आईसीआरआईईआर में इन्फोसिस के चेयर प्रोफेसर अशोक गुलाटी ने कहा कि यह एक वार्षिक घाटा है। यह कहां जा रहा है? शायद इसे खुले बाजार या निर्यात के लिए भेजा जा रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं का रिसाव एक बड़ा वित्तीय बोझ है। उस वर्ष गेहूं और चावल की आर्थिक लागत को ध्यान में रखते हुए जिससे सरकारी खजाने पर 69,108 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। हालांकि, यह आंकड़ा 2011-12 में दर्ज 46त्न लीकेज से एक महत्वपूर्ण सुधार दशार्ता है, लेकिन यह अभी भी इंगित करता है कि मुफ्त/सब्सिडी वाले अनाज का एक बड़ा हिस्सा इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहा है। यह लेटर कहता है कि सरकार की तरफ से नियुक्त पैनल की 2015 की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। इसने यह भी कहा कि 2016 में उचित मूल्य की दुकानों (राशन की दुकानों) में पॉइंट ऑफ सेल मशीनों की शुरुआत ने कुछ अंतर को पाटने में मदद की है, लेकिन लीकेज अभी भी काफी है। इसमें कहा गया है कि पीडीएस लीकेज के मामले में पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड शीर्ष तीन राज्य हैं, उसके बाद गुजरात है।

पूर्वोत्तर राज्यों में डिजिटलीकरण की कमी को अधिक लीकेज के प्रमुख कारणों में से एक माना गया है। पेपर में कहा गया है कि बिहार और पश्चिम बंगाल ने पिछले एक दशक में पीडीएस लीकेज में उल्लेखनीय कमी हासिल की है। बिहार में यह 2011-12 में 68.7त्न से घटकर 2022-23 में सिर्फ़ 19.2त्न रह गया। पश्चिम बंगाल में 69.4त्न से घटकर 9त्न रह गया।

पेपर के अनुसार, उत्तरप्रदेश में पीडीएस लीकेज का अनुमान 33त्न है। लीक हुए अनाज की कुल मात्रा के मामले में यह राज्य सूची में सबसे ऊपर है। पेपर में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में साइफनिंग की दर बहुत अधिक है। इसमें अकसर अनाज को खुले बाजार में वापस भेज दिया जाता है। पेपर में कहा गया है कि पीडीएस के लिए लाभार्थियों के राशन कार्ड को आधार से जोड़ने से वितरण की प्रभावशीलता बढ़ी है, लेकिन पीडीएस में लीकेज अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है।

महाराष्ट्र के हर क्षेत्र का अलग है सियासी मिजाज

9.6 करोड़ मतदाताओं के साथ, महाराष्ट्र को अकसर और सही रूप से, कई 'राष्ट्रों' का राज्य कहा जाता है। इसके 6 उप-क्षेत्रों में राजनीतिक गतिशीलता काफी भिन्न हैं- खानदेश/उत्तर महाराष्ट्र, विदर्भ, मराठवाड़ा, पश्चिमी महाराष्ट्र, कोंकण और मुंबई-ठाणे। प्रत्येक की एक अनूठी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां और राजनीतिक पेचीदगियां हैं जो सामूहिक रूप से राज्य के शासन को आकार देती हैं। गुजरात और मध्यप्रदेश की सीमा से सटा खानदेश/उत्तर महाराष्ट्र घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां आदिवासी और ओबीसी की अच्छी खासी आबादी है। लेउवा पाटिल समुदाय प्रभावशाली है, और एकनाथ खडसे जैसे पार्टी के दिग्गजों के नेतृत्व में, ओबीसी के बीच बीजेपी की पकड़ मजबूत है। अनुसूचित जाति और आदिवासी क्षेत्र की राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं।

ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस नंदुरबार के गावित जैसे प्रमुख परिवारों के माध्यम से आदिवासी राजनीति पर हावी रही, लेकिन बीजेपी ने हीना गावित जैसे गावित परिवार के सदस्यों को शामिल करके इसमें बढ़त हासिल की है। खानदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होने के कारण कृषि, किसानों के मुद्दे सर्वोपरि हैं। 2018 का 'किसान लांग मार्च', जिसमें हजारों किसानों ने उचित मुआवजे, ऋण माफी और वन अधिकार अधिनियम के तहत भूमि अधिकार की मांग को लेकर मुंबई तक मार्च किया, ने क्षेत्र की कृषि चुनौतियों को उजागर किया। माली समुदाय, विशेष रूप से नासिक के आसपास, एक और प्रभावशाली समूह है। एनसीपी के सीनियर नेता छगन भुजबल एक ओबीसी दिग्गज हैं। बड़े नेताओं शरद पवार और अजीत पवार के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए रखते हुए, मराठा आधिपत्य के खिलाफ भुजबल का आक्राम रुख, क्षेत्र के नाजुक जाति समीकरण और पेचिंदगियों को बयां करता है। परंपरागत रूप से ओबीसी समर्थन का लाभ उठाने वाली बीजेपी को इन प्रतिस्पर्धी हितों को संतुलित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो क्षेत्र के भीतर जाति समूहों की गैर-एकात्मक प्रकृति को उजागर करता है।

विदर्भ में कृषि संकट गंभीर बना हुआ है। किसानों की आत्महत्याएं दशकों से बिना समाधान के जारी हैं। यह क्षेत्र भौगोलिक रूप से विविध है, जो वन-समृद्ध पूर्वी विदर्भ (गोंदिया-भंडारा) और सूखा-ग्रस्त पश्चिम विदर्भ (यवतमाल-अमरावती-अकोला-वर्धा) के बीच विभाजित है। राजनीतिक रूप से, विदर्भ का 1960 से लगातार राज्य मंत्रिमंडलों में प्रतिनिधित्व रहा है। इसने वसंतराव नाइक और देवेंद्र फडणवीस जैसे प्रभावशाली वरिष्ठ नेताओं को जन्म दिया है, जो पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले महाराष्ट्र के एकमात्र दो मुख्यमंत्री हैं।

परंपरागत रूप से, विदर्भ क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा है, क्योंकि पार्टी में दलित, मुस्लिम और कुनबी लामबंदी है। लेकिन फडणवीस और राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रकांत बावनकुले को विदर्भ में बीजेपी के उत्थान के रूप में देखा जाता है। मराठा कुनबी समुदाय प्रमुख है, और दलितों की एक बड़ी आबादी, विशेष रूप से सामाजिक-आर्थिक रूप से उन्नत नव-बौद्ध (बौद्ध) दलित, काफी राजनीतिक प्रभाव रखते हैं। यह प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी का भी घर है, जो इस क्षेत्र की राजनीतिक जटिलता को बढ़ाता है, जो विशेष रूप से अकोला के आसपास सत्ता के वैकल्पिक केंद्रों का संकेत देता है।

पश्चिमी महाराष्ट्र कृषि की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। यह भारत के कुल चीनी उत्पादन में 32त्न यानी करीब एक तिहाई का योगदान देता है। मुंबई से निकटता और व्यापक सिंचाई नेटवर्क इसकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करते हैं। ऐतिहासिक रूप से छत्रपति शिवाजी और बाद में पेशवाओं के अधीन मराठा साम्राज्य के गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र में मराठा नेताओं का वर्चस्व है जो चीनी और डेयरी सहकारी समितियों और संरक्षण के गहरे नेटवर्क को नियंत्रित करते हैं। हाल के वर्षों में चीनी सहकारी समितियों में उत्पादकता में गिरावट जैसे आर्थिक चुनौतियों के बावजूद कांग्रेस और एनसीपी के मराठा दिग्गजों ने अपना गढ़ बनाए रखा है, और 2014 और 2019 की चुनावी लहरों के दौरान भी भाजपा के विस्तार का विरोध किया है। मराठा आबादी का लगभग 45त्न हिस्सा बनाते हैं, जबकि धनगर समुदाय एसटी का दर्जा पाने की अपनी मांग में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका निभाता है। पुणे और औरंगाबाद के आसपास शहरीकरण ने अर्थव्यवस्था में विविधता ला दी है, लेकिन ग्रामीण राजनीति सहकारी संस्थाओं से काफी प्रभावित है।

मराठवाड़ा में, हैदराबाद के निजाम के साथ ऐतिहासिक संबंधों ने इसकी सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को आकार दिया है। यह क्षेत्र कृषि संकट का प्रतीक है, जो पिछले दो दशकों से गंभीर सूखे से पीड़ित है। जबकि मराठवाड़ा ने 1970-80 के दशक में कांग्रेस के प्रभुत्व के दौरान प्रमुख मराठा दिग्गजों को जन्म दिया। 1990 के दशक में स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे की बदौलत बीजेपी ने इस क्षेत्र में अपनी पैंठ बनाई। वह वंजारी समुदाय से ताल्लुक रखते थे।

मुंडे ने अपने समुदाय को सशक्त बनाने के लिए सहकारी मॉडल को दोहराया, जिससे पश्चिमी महाराष्ट्र में मराठा प्रभुत्व जैसा प्रभाव बढ़ा। उनकी विरासत बेटी पंकजा और भतीजे धनंजय के माध्यम से जारी है, जो वंजारी और मराठों के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष को उजागर करता है। जालना से मनोज जरांगे-पाटिल के नेतृत्व में हाल ही में मराठा आरक्षण आंदोलन ने इन जाति-आधारित तनावों को तेज कर दिया है।

मुंबई-ठाणे क्षेत्र एक अनोखे राजनीतिक मिजाज के तहत संचालित होता है, जो महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों से बिल्कुल अलग है। भाजपा ने 2014 से शिवसेना के पारंपरिक गढ़ों पर अतिक्रमण किया है। शिवसेना के एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में गुटों में विभाजन के कारण यह मुकाबला और जटिल हो गया है। सीएम शिंदे ने जिस तरह दिग्गज नेता रहे आनंद दिघे की विरासत का हवाला देते हुए ठाणे पर अपना प्रभाव मजबूत किया, यह चुनावी नतीजों को प्रभावित करता है। पर्याप्त मुस्लिम और गैर-बौद्ध दलित आबादी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है- क्षेत्र की राजनीति सांप्रदायिक और क्षेत्रीय पहचानों का एक अंतरसंबंध है।

कोंकण में, कुनबी समुदाय प्रमुख है, शिवसेना को ऐतिहासिक माइग्रेशन पैटर्न के कारण समर्थन प्राप्त है, जो कोंकण श्रमिकों को मुंबई-ठाणे से जोड़ता है। द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया का भी यहां कुछ प्रभाव है, जो अतीत में उनके मजबूत लामबंदी आंदोलनों के आधार पर है। एक महत्वपूर्ण मुस्लिम आबादी नारायण राणे और उनके बेटों नीलेश और नितेश जैसे भाजपा के दिग्गजों द्वारा ध्रुवीकरण की रणनीति का केंद्र बिंदु रही है। पर्यावरण संबंधी चिंताएं और विकास के मुद्दे कोंकण की राजनीति को और जटिल बनाते हैं। इसके तटरेखा के साथ औद्योगिकीकरण और इन्फ्रा परियोजनाओं से संबंधित चुनौतियां हैं। ऐसी कोई भी जातिगत गतिशीलता, विरासत की चुनौती, आर्थिक निर्भरता या क्षेत्रीय आकांक्षा नहीं है जो महाराष्ट्र में अभिव्यक्ति नहीं पाती है - विविध उप-क्षेत्रीय पहचान और हितों और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों की एक चकरघिन्नी। कुल मिलाकर देखें तो एक जटिल बहुआयामी राजनीतिक वातावरण।

कोतवाली पुलिस द्वारा आपरेशन प्रहार की करी गई कार्यवाई

मादक पदार्थ के अवैध कारोबार के विरूद्ध में दो आरोपी गिरफ्तार, गांजा कीमती 8000 रूपये का जप्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरूद्ध आपरेशन प्रहार के अंतर्गत अवैध नशे के कारोबार को नेस्तनाबूद करने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा रामस्वरूप कहार पिता स्व. रिसाली कहार उम्र 48 वर्ष निवासी रामसागर तालाब रोड पुरानी बस्ती अनूपपुर के घर पर रेड कर। किलो 80 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 8000 रूपये का जप्त कर अपराध क्रमांक 488/24 धारा 8/20 बी एन.डी.पी. एस. एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

इसी तरह रामकृष्ण कहार उर्फ केडू पिता स्व. बरियार कहार उम्र 58 वर्ष निवासी वार्ड न. 13 अमहाईटोला अमरकंटक रोड अनूपपुर से ग्राम दमना सकरिया रोड पर उसके बेला में रखे 780 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 6500 रूपये की जप्त कर अपराध क्रमांक 489/24 धारा 8/20 बी एन.डी.पी. एस. एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मंसूरी एवं एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में टी. आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के साथ उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सहायक उपनिरीक्षक संतोष वर्मा, प्रधान आरक्षक राजेश कंवर, शेख रसीद, रीतेश सिहं, संदीप साहू, आरक्षक अब्दुल कलीम, प्रकाश तिवारी, पूर्णानन्द मिश्रा, महिला आरक्षक अंकिता सोनी, ऊषा सिहं की टीम के द्वारा मादक पदार्थ की बिक्री एवं कारोबार करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

किड्स केयर स्कूल ने मनाया 30वां वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव

नन्हे-मुन्नों की अद्भुत प्रस्तुतियों से सजा समारोह

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, किड्स केयर हायर सेकेंडरी स्कूल ने मनाया 30 वां वार्षिक सांस्कृतिक समारोह सुगंध संस्कृति की महक। नन्हे मुन्ने बच्चों ने मंच से दी आकर्षक प्रस्तुतियां। तिलक कॉलेज रोड स्थित किड्स केयर हायर सेकेंडरी स्कूल ने अपना 30 वां वार्षिक सांस्कृतिक समारोह सुगंध संस्कृति की महक का आयोजन धूमधाम से किया। समारोह की मुख्य अतिथि कटनी तहसीलदार नेहा जैन एवं विशिष्ट अतिथिऊ में कटनी बीआरसी मनोज गौतम, मुस्कान फाऊंडेशन डायरेक्टर श्रीमती मंजूषा गौतम मौजूद थी।नन्हे मुन्ने स्कूली बच्चों ने सामाजिक संदेश देने और देशभक्ति से जुड़े एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। मंच से बच्चों की प्रस्तुतियां देखकर उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से उनका मनोबल बढ़ाया। विद्यालय डायरेक्टर ऐरावत आकाश एवं श्रीमती कात्यानी ने बताया कि यह स्कूल का यह 30 वां वार्षिक समारोह था। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों की प्रतिमाओं प्रतिभाओं में निखार आता है। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक गण भी मौजूद थे।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

मांगें पूरी नही होने पर देंगे धरना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर समस्त स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपनी लंबित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों के द्वारा प्रथम चरण में 11, 12 एवं 13 नवम्बर को अपने कार्य स्थल पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। वहीं द्वितीय चरण में सोमवार को मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर को सौंपा गया। जिलाध्यक्ष प्रशांत वैद्य ने बताया कि तृतीय चरण में 22 नवम्बर को 1 घण्टा एवं 23 नवम्बर को 2 घण्टे अपने कर्तव्य स्थल पर अतिरिक्त कार्य कर मानव सेवा की जाएगी। इसी प्रकार महासंघ के निर्देशानुसार आगामी तिथियों में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन में मांग की गई कि संविदा स्वास्थ्य संवर्ग की वेतन विसंगति दूर की जाए, नर्सेस पर हड़ताल अवधि में की गई कार्रवाई को निरस्त किया जाए, एएनएमए एमपी डबल्यू का

हड़ताल अवधि 23 दिवस का वेतन भुगतान किया जाए, स्वास्थ्य विभाग की भांति ग्वालियर, रीवा मेडिकल कॉलेज में दी जा रही, उसी प्रकार अन्य सभी मेडिकल कॉलेज में भी नर्सिंग संवर्ग को 3 एवं 4 वेतनवृद्धि दी जाए, जब तक प्रमोशन नही होते तब तक वरियता के आधार पर प्रभार दिया जाए, 70, 80, 90 और तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि आदेश को निरस्त किया जाए, सातवें वेतनमान का लाभ 2016 से दिया जाए, चिकित्सकों की भांति अन्य कर्मचारियों को भी रात्रिकालीन भत्ता दिया जाए, संचालनालय स्तर पर सहायक संचालक नर्सिंग के पद पर नर्सिंग कैडर को ही वरिष्ठता के आधार पर पदस्थ किया जाए, स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स, रोगी कल्याण समिति अंतर्गत कर्मचारियों को स्थाई वेतन बढ़ाने हेतु ठोस नीति बनाई जाए, नर्सिंग संवर्ग, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर, बायोकेमिस्ट, लेबटेक्नीशियन, नेत्र सहायक, ड्रेसर, सभी वर्ग के टेक्नीशियन आदि सभी संवर्गों की वेतन विसंगति दूर की जाए और पदनाम परिवर्तन किए जाए। ज्ञापन देते समय स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश सचिव राज दत्त दुबे, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार बांसोड़, कार्यालय प्रभारी बाबूलाल मिश्रा, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष गौरव सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष जॉय शर्मा, सचिव मोहन किचोलिया उपस्थित थे।

विप्र समाज के सघन सदस्यता अभियान का हुआ प्रारंभ

चंदा का धंधा रहित राजनीति से परे, ग्यारह हजार परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य का संकल्प लिया

अमरकंटक, विप्र समाज अनूपपुर का प्रतिनिधि मंडलअध्यक्ष,सचिव,संत मंडल से दिनांक 17. नवंबर रविवार को अपने शारदीय नवरात्रि के आयोजन के नवाचारी नियमानुसार परम हंस आश्रम धारक धारकुंडी आश्रम में अमरकंटक शांति कुटी मंहत स्वामी संत मंडल के अध्यक्ष रामभूषण दास और महंत स्वामी संत मंडल के सचिव बाबा लवलीन महाराज के अनुज्ञा लेकर आयोजन पर विहंगम अवलोकन कराते हुए बताया कि हम समाज अविरल पवित्र धारा को राजनीति एवं चंदा के धंधा के कुसंग से पृथक रहते हुए समाज के हित संस्कार हेतु कार्य किया जा रहा है जिसके तहत सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नारियल एवं एक जोड़ी जनेऊ लिया जाता है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए संयोजक मानस विद्वान संयोजक पंडित राम नारायण द्विवेदी ने बताया कि विप्र समाज अपने आयोजन को अमरकंटक से आशीष लेकर बरने खोडरी तक तथा व्यंकटनगर से बरगंवा बकही तक अभियान चलाएगा तथा 11 हजार परिवार तक पहुंच कर सुख दुख का साक्षी बनेगा।लक्ष्य पूरा होने पर जिलास्तर पर ब्राह्मण मिलन कार्यक्रम होगा और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया जाएगा,आयोजन में सनातन धर्माचार्य मठाधीशों के आशीर्वाद से सनातन धर्म गुरु शंकराचार्य के उपस्थिति में कार्यक्रम के आयोजन का प्रयास होगा, इस कार्यक्रम में भी चंदा का धंधा के बिना करने का संकल्प पारित किया गया है । अध्यक्ष संत मंडल ने विप्र समाज के उद्देश्यों से अभिभूत होकर पूर्ण सहयोग प्रदान करने का लेख अपने कर कमल के द्वारा लेख पुस्तिका में अंकित किया उन्होंने लिखा यह पुनीत और पवित्र काम है मां नर्मदा आप लोगों को आशीष प्रदान करें और अपने लक्ष्य को आप प्राप्त करें संत समाज से जिस तरह का सहयोग अपेक्षित है वह आप लोग को उपलब्ध होगा। मां नर्मदा का आशीष लिए संत समाज का आशीर्वाद लेकर मां नर्मदे के चरणों के आंचल में विप्र समाज के प्रतिनिधि दल मां नर्मदे का दर्शन लाभ और आशीर्वाद प्राप्त कर वहां उपस्थित पुजारी के माध्यम से मां नर्मदा के चरणों से प्रसाद रूपी संकल्प के साथ आशीर्वाद स्वरुप नारियल और जनेऊ प्राप्त किए।

माता के दरबार के महंतो ने लिया सदस्यता विप्र समाज के संयोजक पंडित राम नारायण द्विवेदी के द्वारा विप्र समाज के उद्देश्यों का और सदस्यता अभियान की रूपरेखा की जानकारीऔर चर्चा जब उपस्थित मां नर्मदा के महंतों के सामने किया गया तब उपस्थित महंत समाज के अध्यक्ष पंडित बंटी महाराज के द्वारा अपने समस्त पुजारी के साथ सदस्यता के रूप में नारियल और जानेऊ भेंट कर जिसमें पंडित उत्तम महाराज, पंडित नीलू महाराज, पंडित वंदे महाराज, पंडित सुशील द्विवेदी, पंडित राजेश द्विवेदी, जीतेंद्र द्विवेदी, पंडित कमलेश द्विवेदी, के भी विप्र समाज की सदस्यता हेतु पंडित बंटी महाराज अध्यक्ष ने मंदिर परिवार एवं ब्राह्मण समाज द्वारा श्रीफल जानेऊ एक साथ रखकर संयोजक रामनारायण द्विवेदी को भेंट किया और मां नर्मदे से कामना की द्विवेदी जी की इस पुनीत कार्य संपन्न हो, साथ ही पूरा अमरकंटक परिक्षेत्र का भी विप्र समाज कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग देने का वचन प्रदान किया।

पंडित श्रवण उपाध्याय अमरकंटक के बने प्रभारी अमरकंटक की यात्रा सदस्यता अभियान को पंडित श्रवण उपाध्याय पत्रकार को विप्र समाज के अमरकंटक सदस्यता प्रभारी नियुक्त किया गया उनसे यह उम्मीद की गई अमरकंटक आंचल में विप्र समाज के समस्त महंत संत समाज , आचार्य एवं समाज के अन्य प्रहरियों परिवारों से जुड़कर विप्र समाज के उद्देश्यों को प्रत्येक लोगों तक पहुंच कर उनके आशीष आशीर्वाद रूप में श्रीफल एवं जानेऊ प्राप्त कर इस सदस्यता अभियान को गति प्रदान करेंगे आज का पूरा अमरकंटक का जो कार्यक्रम निर्धारित किया गया आज की विप्र सदस्यता अभियान भी उपाध्याय जी भूमिका सराहनीय रही।

धारकुंडी आश्रम में हुआ प्रसाद संत समाज के सचिव धारकुंडी आश्रम के महंत लवली महाराज की कृपा कृपा से उपस्थित अर्धशतक विप्रवारो का अत्यंत सरस स्वादिष्ट स्नेह रस मिश्रित उपस्थित प्रतिनिधि मंडल को भोजन प्रसाद ग्रहण कराया गया जिससे सभी उपस्थित विप्रोवर समाज द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया इस प्रसाद ग्रहण के अवसर पर इंदौर से आए संगीत भागवत कथा प्रवक्ता लवकेश शास्त्री पंचवेदी वाचक पंडित द्वारा भी आयोजन की उद्देश्यों से प्रभावित होकर सरस कंठ के माध्यम से प्रतिनिधियों के उत्सवर्धन हेतु संस्कृत के श्लोक के माध्यम से आशीर्वाद प्रदान किया और उन्होंने निवेदन किया जब भी जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन करेंगे हमें भी आमंत्रित करें ,हम अपनी पूरी टीम के साथ अपनी सहभागिता प्रदान करेंगे।

आगामी आयोजन की कार्य योजना संत समाज एवं मां नर्मदा के पुजारी महंतो के साथ विप्र समाज के प्रतिनिधि मंडल के संयोजक पंडित राम नारायण द्विवेदी पंडित चैतन्य मिश्रा, पंडित श्रवण उपाध्याय, पंडित शेषनारायण शुक्ला, पंडित संदीप मिश्रा, पंडित जितेंद्र पांडे आदि उपस्थित समाज से चर्चा करते हुए पूरब से पश्चिम उत्तर से दक्षिण जिले के चारों कोनों में संपर्क स्थापित कर छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से विप्र समाज को एकत्र कर 11 हजार सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य के अनुरूप राजेंद्रग्राम, जैतहरी, फुनगा, कोतमा, चचाई, देवहारा, संजय नगर, बरगवां आदि स्थानों पर विप्र समाज के साथ चर्चा कर उन्हें भी चंदा से धंधा रहित और राजनीति रहित समाज की स्थापना के लिए प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

आरक्षक से हाथापाई कर हाईवा छुड़ाकर ले गए

रेत भरे वाहनों को रोकर जांच कर ही थी पुलिस

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

रीवा, शहर के समान थाना अंतर्गत बाईपास के समीप वाहन चेकिंग में लगी हुई आरटीओ टीम पर स्थानीय डफर संचालकों ने अचानक न केवल हमला कर दिया बल्कि पकड़े गए हाईवा को छुड़ाकर अपने साथ ले गए। उक्त घटना रविवार की शाम तकरीबन 4 बजे की बताई जा रही है।

बगैर टीपी एवं ओवरलोड रेट सीधी जिले से लाई जाती है

परिवहन विभाग की जांच में लगी टीम का आरोप है कि डंपर संचल को द्वारा बगैर टीपी एवं ओवरलोड रेट सीधी जिले से लाई जाती है। तोल कराए जाने पर वाहन ओवरलोड पाए गए, जिस पर वह ट्रकों को जब्त करने की कार्रवाई करने लगे।

ट्रक संचालक मौके पर पहुंचे, आरक्षक रमेश सिंह को पीटा

ट्रक संचालक तकरीबन आधा सैकड़ा कि संख्या में मौके पर पहुंचकर न केवल रमेश सिंह के साथ हाथापाई की बल्कि वाहनों को परिवहन विभाग के चंगुल से

छुड़ा ले गए। घटनाकरित हो जाने के बाद आरटीआई रवि मिश्रा अपने स्टाफ के साथ संबंध के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने विश्वविद्यालय थाने पहुंच गए।आरटीओ की जांच टीम पर वसूली का आरोप

डंपर संचालकों का एक दल भी मौके पर पहुंच गया।

आरटीओ की जांच टीम पर वसूली का आरोप लगाया है।

परिवहन विभाग की टीम लगातार वाहनों की जांच करती है।

वसूली करने वाली विभाग की टीम आज भी काम में लगी थी। टीम की वजह से ट्रक मालिकों को बेवजह परेशान होती है।

पूछा कि जब कागज पूरे हैं तो अपने ट्रक कैसे पकड़ लिया।

अनिल मिश्रा ने बताया कि अपने ट्रक लेकर वापस लौट आए।

इनका कहना क्या है

दोनों पक्षों से आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है इस मामले की जांच कर रहे हैं। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्यवाही की जाएगी

विवेक सिंह, पुलिस अधीक्षक रीवा

इंदौर से लाए जा रहे थे अवैध हथियार

पिस्टल के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

रीवा, रीवा पुलिस ने अवैध पिस्टल और कट्टे के साथ रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिसमें हत्या के प्रयास का आरोपी भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त में भी शामिल हैं। वे इंदौर से रीवा में हथियार लाकर सप्लाई करते थे। उनसे हथियारों के साथ 3 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

मुख्य आरोपी अंशु उर्फ प्रखर शुक्ला पर तीन हजार का इनाम घोषित था

सीएसपी वन रितु उपाध्याय ने बताया कि साल 2022 में आचार संहिता के समय शिल्पी प्लाजा में हुए गोली कांड में हॉफ मर्डर का मुख्य आरोपी अंशु उर्फ प्रखर शुक्ला उम्र 20 वर्ष फरार था। वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था, उस पर तीन हजार रुपये का इनाम भी घोषित था।

पिस्टल और कट्टा को करहिया घाट के पास पेड़ के नीचे छिपाया

मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जहां आरोपी से पूछताछ जारी है।इंदौर से ले आए थे पिस्टल प्रखर के बरामद मोबाइल में पिस्टल की कई फोटो ग्राफ्स थी। पूछताछ में प्रखर शुक्ला और उसके दोस्त आकाश गौतम उम्र 24 वर्ष ने बताया कि हमने पिस्टल और कट्टा को करहिया घाट के पास पेड़ के नीचे छिपाया है।

आरोपियों के कब्जे से बरामद कर लिए गए अवैध हथियार

इन्दौर में रहने वाले एक व्यक्ति से खरीदकर पिस्टल आकाश गौतम के पास रीवा पहुंचाते थे। जहां से हथियारों की अवैध बिक्री कराई जाती थी। जिसके बाद आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार बरामद कर लिए गए हैं।

इंदौर से रीवा में हथियारों की तस्करी के मामले में शामिल

अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल आरोपियों की तलाश की जा रही है। जो इंदौर से रीवा में हथियारों की तस्करी के मामले में शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ 25/26 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

102 विद्यार्थियों को मिली नि:शुल्क साइकिल, गदगद हुए विद्यार्थी

शाजापुर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत 102 बालक-बालिकाओं को अतिथियों द्वारा सोमवार को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि मनोहर विश्वकर्मा, महेश भावसार, लोकेश शर्मा, कौशल कसेरा, विक्रम कुशवाह, मुकेश दुबे, पीरुलाल, सतीश राठौर, चिनेश जैन, अजय चंदेल, प्रशांत चौहान तथा सुनील पेंटर थे। अध्यक्षता संस्था प्राचार्य प्रवीण कुमार मंडलोई ने की। अतिथियों ने मौजूद बच्चों और उनके पालकों तथा शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश शासन शिक्षा एवं प्रदेश के विकास में हर संभव प्रयास कर प्रदेश को देश के अग्रणी राज्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें और बिना किसी व्यवधान के विद्यालय पहुंच सकें इसी बात को ध्यान में रखते हुए के मध्यप्रदेश के कक्षा छठी एवं कक्षा नवी में पढने वाले बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरण की जाती है। संस्था प्राचार्य प्रवीण कुमार मंडलोई ने बताया कि विद्यालय की कक्षा नवी के 56 बालक तथा 46 बालिकाओं सहित कुल 102 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण की गई। इस अवसर पर संस्था के विजय सक्सेना, ओम प्रकाश पाटीदार, अनवर अहमद शेख, सियाराम पाटीदार, सायकल योजना प्रभारी रविकांत त्रिपाठी, देवप्रकाश श्रीवास्तव, बद्रीलाल नागर, ज्योति रिणवा, रेखा पुरोहित, कविता हाड़ा, शीतल श्रीवास्तव, रेखा गहलोत, ज्योति धाकड़, सुरेश तोमर सहित स्टॉफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

MSP 3100 रुपये प्रति क्विंटल की गारंटी शीघ्र लागू करने की मांग

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, आम आदमी पार्टी जिला इकाई सतना ने जिलाध्यक्ष डा.अमित सिंह के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को संबोधित ज्ञापन कलेक्टर को सौंपकर प्रदेश के किसानों के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल करने की भाजपा की चुनावी गारंटी को शीघ्र लागू करने की अपील की। ज्ञापन में पार्टी ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) ने किसानों से यह वादा किया था कि सरकार बनने के बाद धान का रूक्क3100 रुपये प्रति क्विंटल किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों की भलाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई थी। लेकिन चुनाव परिणामों के बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया,जिससे किसानों में सरकार के प्रति निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष, डॉ. अमित सिंह ने कहा, प्रदेश के लाखों किसान लगातार महंगाई और संकट से जूझ रहे हैं। अगर सरकार अपने वादे को पूरा नहीं करती है तो हम

किसानों के समर्थन में प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। सतना जिले में हम इस मुद्दे पर जन जागरूकता अभियान चलाएंगे और आंदोलन भी करेंगे। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं था, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए भाजपा ने जो गारंटी दी थी, उसका पालन करना सरकार की जिम्मेदारी बनती है। हम मुख्यमंत्री से निवेदन करते हैं कि इस मुद्दे को प्राथमिकता देकर शीघ्र समाधान करें। आम आदमी पार्टी किसान विंग के जिलाध्यक्ष अर्जुन दहिया ने कहा कि यदि सरकार किसानों के अधिकारों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाती है, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर अपने आंदोलन को तेज करेगी। पार्टी का लक्ष्य प्रदेश के किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना और उनके जीवन में सुधार लाना है। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान महिला विंग की प्रदेश संयुक्त सचिव सीता सिंह,जिला सचिव अनिल गर्ग पिंटू,जिला उपाध्यक्ष क्रमशः राजाभैया पांडे,सुखेन्द्र सिंह, राजाराम यादव एवं रोहित पांडे,ओ.बी.सी. के जिलाध्यक्ष इंजी नरेंद्र कनौजिया,किसान विंग के जिलाध्यक्ष अर्जुन दाहिया,सोशल मीडिया के जिला प्रभारी निश्चय प्रताप सिंह,जिला संयुक्त सचिव मनीष प्रताप सतनामी व श्रीधर शर्मा एस सी विंग के जिला उपाध्यक्ष रामकलेश साकेत एवं जिला संयुक्त सचिव शिवनारायण दाहिया, इंटलेक्चुअल विंग के जिला उपाध्यक्ष डॉ मदन कुशवाहा,पूर्व मीडिया प्रभारी दीपचंद गुप्ता,ब्लॉक अध्यक्ष विजय सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान अंतर्गत सेचुरेशन की कार्यवाही की जाए - कलेक्टर

समय सीमा बैठक में प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर ने दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, राजस्व महाअभियान 3.0 का क्रियान्वयन बेहतर हो इस हेतु अभियान के उद्देश्यों के तहत आरसीएमएस के लंबित प्रकरणों, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन का निराकरण तथा नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस में दर्ज करने, नक्शे पर तरमीम के साथ ही पीएम किसान का सेचुरेशन, आधार का आरओआर से लिंकिंग, परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन, फॉर्मर रजिस्ट्री व स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इस हेतु जिले के सभी पटवारियों को तहसीलवार लंबित प्रकरणों की सूची उपलब्ध कराते हुए उन्हें कार्यों के संबंध में ओरिएन्टेशन कराया जाए। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक में दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री महिपाल सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम कोतमा श्री अजीत तिर्की सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान भारत निरामयम् योजना के अंतर्गत 70 प्लस व भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) केटेगरी के हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्य का सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए हैं। उन्होंने 70 प्लस व भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) केटेगरी के आयुष्मान कार्ड निर्माण में प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में टॉप फाइव में स्थान अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने समाधान ऑनलाईन तथा सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को लंबित शिकायतों विशेषकर पीएम किसान की शिकायतों के निराकृत करने के लिए प्राथमिकता में कार्य करने पर बल दिया है। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत विभागीय

अधिकारियों को रैंकिंग सुधार करने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण आगामी दो दिवस में सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए वृन्दावन ग्राम योजना के तहत प्रत्येक विकासखण्ड में गौशाला वाले एक-एक गांव का चिन्हांकन कर शासन को प्रस्ताव प्रेषित किए जाने, शासकीय परिसम्पत्तियों तालाब आदि का इन्द्राज शासकीय खसरे के कॉलम नम्बर 12 में करने की कार्यवाही किए जाने, जिले के युवाओं के कौशल उन्नयन हेतु भोपाल स्थित ग्लोबल स्किल पार्क में इस सत्र में 100 युवाओं का चयन कर एडमिशन कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने अनूपपुर जिला मुख्यालय के आसपास की भूमि का चिन्हांकन कर औद्योगिक विकास के लिए उपयोग करने, जिला मुख्यालय स्थित नगरपालिका की लाईब्रेरी को पुनः प्रारम्भ करने हेतु भवन का परीक्षण करने, नगरीय निकाय क्षेत्र में दीनदयाल रसोई का व्यवस्थित संचालन जन सहयोग प्राप्त कर करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले में लूज विद्युत तार को व्यवस्थित करने के संबंध में ऊर्जा विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने, सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत विकासखण्डवार निर्धारित तिथि का व्यापक प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अवगत कराया कि 15 दिसम्बर को अनूपपुर एवं कोतमा विकासखण्ड में तथा 25 फरवरी को पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड तथा 26 फरवरी को जैतहरी विकासखण्ड में सामूहिक कन्या विवाह का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आयोजन के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निःशुल्क साईकल वितरण योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों का चिन्हांकन कर एक सप्ताह में सूची का संधारण कर साईकल वितरण समारोहपूर्वक करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 15 नवम्बर 2024 से 24 मार्च 2025 तक आयोजित किए जाने वाले नि-क्षय शिविर के लिए जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार सम्भावित क्षय रोगियों की स्क्रीनिंग कर सस्पेक्टेड लोगों के सैम्पल की जांच कराने के कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेने तथा उन्हें आमंत्रित करने के संबंध में भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में ऊर्जा विभाग के अधीक्षण यंत्री को जिले के अविद्युतीकृत मजरे-टोलों की सूची तैयार कर प्रस्ताव शासन को भेजे जाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण करने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए हैं।

अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध आपरेशन प्रहार में पुलिस चौकी फुनगा द्वारा किया गया 02 आरोपियों के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनुपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरूद्ध आपरेशन प्रहार के अंतर्गत अवैध नशे पर नियंत्रण हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 17-18 नवम्बर की रात्रि में पुलिस चौकी फुनगा द्वारा मुखबिर की सूचना पर मझगवाँ रोड तिराहा पर आरोपी संतोष कुमार गुप्ता पिता संपत गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बनगवाँ चौकी फुनगा जिला अनूपपुर को रेड कार्यवाही कर 650 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 7000 रूपये को जप्त कर अपराध क्रमांक 389/24 धारा 8/20 बी एन.डी.पी.एस. एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

उक्त मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद खरीदी का पता करते हुए पूछताछ पर आरोपी संतोष द्वारा इसे आरोपी रामू उर्फ रामप्रकाश पटेल पिता भगवानदास पटेल निवासी ग्राम मझौली थाना बुढ़ार जिला शहडोल से खरीद कर लाया जाना बताया जिससे उक्त व्यक्ति के विरुद्ध भी मामला पंजीकृत किया जाकर विवेचना की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक सुमित कौशिक,सहायक उपनिरीक्षक कोमल अर्जरिया, प्रधान आरक्षक सूर्यभान सिंह, आरक्षक राकेश कनासे, वीरसिंह, सैनिक रामकमल तिवारी की भूमिका रही है ।

नन्हे वैज्ञानिकों ने बनाए मॉडल, सीएम राइज स्कूल में विकासखंड स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, विकासखंड स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल सीएम राइज शाजापुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे ने फीटा काट कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। विकासखंड शाजापुर के विभिन्न जनशिक्षा केंद्र से चयनित होकर कुल 81 मॉडल इस प्रदर्शनी में सहभागी हुए, जिनका मूल्यांकन विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न मापदंड के आधार पर किया गया। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान मुख्य अतिथि दुबे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी वंदना गुप्ता, जिला नोडल प्रवीण मंडलोई ने बाल वैज्ञानिकों के उत्साह को सराहा और उन्हे और अधिक रोचक बनाने हेतु टिप्स दिए। साथ ही समसामयिक समस्याओं के समाधानकारी मॉडल बनाने हेतु प्रेरित किया। प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 12 में गणित विषय में टीना राजपूत प्रथम, द्वितीय संस्कृति शर्मा रहीं। जबकि विज्ञान से पूजा राजपूत प्रथम, द्वितीय पायल कुशवाह, पर्यावरण से प्रथम देवराज सौराष्ट्रीय, द्वितीय नरेंद्रसिंह डोडिया रहे। इसी तरह एकल गीत में सपना सौराष्ट्रीय चयनित हुईं। कक्षा 6 से 8 में गणित में प्रथम आराधना राठौर, द्वितीय यूंशरा खानम, विज्ञान में प्रथम सोनाक्षी राठौर, द्वितीय जेबा बी, पर्यावरण में ऋतिक कुमार प्रथम, द्वितीय प्रिंस पुष्पद, भूगोल में प्रथम पायल, द्वितीय चाहतजहां रहीं। उक्त चयनित सभी विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रदर्शनी में शाजापुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नगर पालिका ने कालोनियों में प्रदाय की जा रही सेवाओं पर शुल्क प्राप्ति तक

तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा ने नगरवासियों से कहा है, नगर निरीक्षण दौरान किल्लाई नाका से पी.जी. कालेज एवं किल्लाई नाका से सुरेखा कालोनी तक सफाई नहीं पायी गयी। प्रभारी निरीक्षक अभिषेक शुक्ला एवं श्री प्रेम पारोचे (स्थायी कर्मी) द्वारा बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में आने वाली सुरेखा कालोनी, अभिनव होम, बसुंधरा कालोनी, द्वारकापुरी, मधुवन कालोनी, इन्द्रमोहन नगर, ऐलोरा कालोनी, विजय नगर आदि में सफाई हेतु कर्मचारी भेजने के कारण नगरीय क्षेत्र में सफाई नहीं हो पा रही एवं वाहनों की कमी के कारण नगरीय क्षेत्र में भी सभी जगह अपशिष्ट संग्रहण वाहन नहीं पुहँच रहे है। यह कालोनियॉ वर्तमान में ग्राम पंचायत द्वारा शासित है एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्राप्त होने वाली राशि इस वित्तीय वर्ष के लिये ग्राम पंचायत हिरेपुर, जनपद पंचायत दमोह को प्राप्त हुई है। म.प्र. कालोनी विकास नियम, 2021 के नियम 19 के अनुसार कालोनाईजर द्वारा कालोनी का विकास कार्य पूर्ण कर लेने के पश्चात, विकास कार्य पूर्ण कर लेने की सूचना प्रारूप पाँच क में सक्षम प्राधिकारी को दी जायेगी। सक्षम प्राधिकारी सूचना प्राप्त होने के पश्चात् 15 दिन की कालावधि के भीतर संबंधित कालोनी के विकास कार्यों का निरीक्षण सक्षम तकनीकी अधिकारियों से करायेगा तथा विकास कार्य पूर्णतः प्रमाण पत्र जारी किये जाने की तरीख को संबंधित कालोनी, संधारण के लिये म.प्र. प्रकोष्ठ स्वामित्तव नियम 2019 के तहत गठित रहवासी कल्याण समीति को अंतरित की गई समझी जायेगी म.प्र. नगरपालिका (जल प्रदाय मल जल तथा ठोस अपशिष्ट सेवाओं के लिये उपभोक्ता प्रभार) नियम, 2020 के प्रावधान में भी निशुल्क सेवा प्रदाय संभव नहीं है। विगत लगभग तीन-चार वर्षों से सेवा प्राप्ति के बावजूद कोई शुल्क नहीं दिया गया, जबकि उक्त कालोनियों में दी गई सेवाओं पर लगभग 2 करोड़ रूपये से अधिक व्यय नगर पालिका का हुआ है। वर्तमान में नगर पालिका की वित्तीय स्थिति अत्यंत दयनीय है, 2 माह से कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं हो पाया साथ ही पिछले 36 माह का एन.पी.एस. एवं जी.पी.एफ. का भुगतान बकाया है। डीजल बिल भी माह जून से बकाया होने से अति आवश्यक सेवाएँ भी बधित हो रही है। परिस्थितियों के मद्देनजर एवं शासन के नियमों के अनुसार संबंधित कालोनियों में प्रदाय की जा रही सेवाओं पर शुल्क प्राप्ति तक तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाती है।

200 स्व-सहायता समूहों को 8 करोड़ का किया गया ऋण वितरित

आजीविका मिशन सभागार बटियागढ़ में ऋण वितरण कार्यक्रम संपन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय कटनी द्वारा आयोजित स्व-सहायता समूह सम्मेलन में दमोह जिले के 200 समूहों को 8 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। यह कार्यक्रम आजीविका मिशन सभागार बटियागढ़ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप महाप्रबंधक अजिताभ पाराशर रहे। उपमहाप्रबंधक हरेराम सिंह, धर्मानंद बनई, जिला परियोजना अधिकारी तिनेन्द्र अहिरवार, क्षेत्रीय प्रबंधक सुनील सक्सेना, मुख्य प्रबंधक अनुराग हनग और लीड बैंक अधिकारी नरेंद्र सोनी, शाखा प्रबंधक जबेरा मिथिलेश चौधरी एवं शाखा प्रबंधक पटेरा आशीष झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह के द्वारा अपने उत्पादों के स्टाल लगाये गए थे, मुख्य अतिथि ने स्टालों का जायजा लिया एवं समूह की महिलाओं से बात कर उत्पाद एवं विक्रय के संबंध में जानकारी ली, साथ ही बनाये गए उत्पाद में खर्च एवं बचत इनका विक्रय कैसे किया जाता की जानकारी ली। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं और स्व-सहायता

समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। मुख्य अतिथि अजिताभ पाराशर ने बताया कि यह कदम ग्रामीण विकास और आजीविका सुधारने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने समूहों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस ऋण का उपयोग उत्पादक कार्यों में करें और आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करें। साहूकारों से एवं फ्रॉड करने वालों से दूर रहे, जब जरूरत हो स्टेट बैंक में आकर सम्पर्क करें। उन्होंने कहा आप अपना कर्म करते रहे आपको फल अवश्य मिलेगा, मेहनत करे भारतीय स्टेट बैंक आपके साथ है। कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बैंक और सरकार के इस सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे अपने व्यवसायों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। सिहवाहनी स्व-सहायता समूह की लक्ष्मी बाई ने बताया स्व-सहायता समूह से मेरा जीवन बदल गया है, मेहनत से आज मैं अपना परिवार चला रही हूँ, मेरा पूरा परिवार शुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है, सरकार के द्वारा महिलाओं सशक्त बनाये जाने की इस योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है।

पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वाहन चोरी लूट आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम एवं इसमें संलिप्त अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना जनकपुरी के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना जनकपुरी पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त अर्जुन पुत्र नेकीराम निवासी मोहम्मदपुर माफी उर्फ हसनपुर चुंगी चौकी वाली गली थाना सदर बाज़ार जनपद सहारनपुर को एसबीडी अस्पताल के पीछे वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में चोरी की गयी कार बरामद की गयी है तथा घटना में प्रयुक्त की गयी कार को भी बरामद किया गया है।

सहारनपुर में शरदकालीन गन्ने में मसूर की दाल की खेती को बढ़ावा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद में किसान गन्ने और गेहूं की खेती को ज्यादा पसंद करते हैं लेकिन कृषि विभाग दलहनी फसलों को प्रोत्साहित कर रहा है। उपनिदेशक कृषि डा. राकेश कुमार ने बताया कि शरदकालीन गन्ने में मसूर की खेती की बहुत संभावनाएं हैं। इसे प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को मसूर के 1998 मिनी किट बांटे गए हैं। डा. राकेश कुमार ने बताया कि जो किसान गन्ने की शरदकालीन खेती करते हैं वे गन्ने के साथ-साथ गेहूं, सरसों, आलू और लहसुन की सहखेती भी करते हैं। जिसमें ट्रैंच विधि से बोए गए गन्ने की दो लाइनों की बीच की जमीन का इस्तेमाल किया जाता है इससे किसानों को अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है। सहफसली खेती के लिए किसान को अलग से कोई लागत नहीं लगानी पड़ती। इसके लिए उसे सिर्फ ऐसी फसलों का चयन करना होता है जिसकी स्पर्धा गन्ने की खेती से नहीं हो। उपनिदेशक कृषि डा. राकेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन के अंतर्गत कृषि विभाग किसानों को मसूर के मिनी किट वितरित कर रहा हैं। इस मिनी किट में आठ किलोग्राम मसूर का बीज है। जो एक एकड़ में बुआई के लिए काफी है। जिले के सभी 11 ब्लाकों के किसानों को मसूर का बीज वितरित किया गया है।

आखर चौक कंजई में मेले के अवसर पर महिला दुय्यम शायरी कार्यक्रम आज

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कंजई के टंकीटोला स्थित आखर चौक में मेला समिति के तत्वाधान में आज मंगलवार 19 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कंजई टंकीटोला के आखर चौक में दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन हेतु रात 09 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में जय अम्बे मंडल हट्टा बालाघाट की गायिका कु.आरती सुरेन्द्र दमाहे तथा जय महामाया संगीत पार्टी दीन्ही वारासिवनी की गायिका कु.रुकमणी लिल्हारे द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ संगीतमय कटाक्ष शायरी की प्रस्तुती देगे।उक्त कार्यक्रम कंजई सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन के मुख्य आतिथ्य तथा जनपद सदस्य धनेन्द्र भलावी,जनपद सदस्य जाहिद खान,उपसरपंच श्रीमती अनुराधा तिरेन्द्र कुमरे,पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन,सरपंच प्रतिनिधि आशीष बिसेन के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा।इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मेला समिति अध्यक्ष नरेंद्र (राजू)वट्टी,उपाध्यक्ष अनिल बगारे, सचिव दिनेश पन्द्रे,उपसचिव राजेश कुर्वेती,कोषाध्यक्ष बंसीलाल परते एवं समिति संचालक लखन नागपुरे ने सभी से की है।

स्कूली विद्यार्थियों ने पॉलीटेक्निक महाविद्यालय का किया भ्रमण

बुरहानपुर/- कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार तकनीकि शिक्षा एवं कौशल विकास अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईच्छापुर के छात्र-छात्राओं ने आज जीजामाता शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बुरहानपुर का भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं को संस्था में संचालित समस्त ब्रांचो एवं उनसे प्राप्त वाले रोजगार के

बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों द्वारा संस्था के विभिन्न वर्कशॉप, प्रयोगशालाओं एवं विभिन्न विभागों का भ्रमण करवाया गया। विद्यार्थियों को पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश लेने, विभिन्न शाखाओं का चयन, छात्रवृति योजनाओं और प्लेसमेंट की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान 125 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। मल्टीपरपज हॉल में पीपीटी के माध्यम से कोड योगी सॉफ्टवेयर, यूएन वूमेन प्रोग्राम ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट की प्रक्रिया बताई गई। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य डॉ. दीपक शाह, किरण कुमार महाजन, सुमित तोखारे, श्रीमती धनश्री वाणी, भूषण साकलकर, दीपक लड़े, अनिल मटकर, कुमारी वर्षा परख, अल्पित सोनी सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

शाहपुर पुलिस ने एक आरोपी को भर माल 2 बंदूक के साथ किया गिरफ्तार

बुरहानपुर जिले शाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चोनडी डैम पुलिया के पास पुलिस ने एक आरोपी को भर माल 2 बंदूक के साथ को किया गिरफ्तार। शाहपुर थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर की सूचना मिली थी, एक युवक द्वारा बंदूक का निर्माण किया जा रहा है, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के निर्देश पर टीम गठित कर आरोपी को 2 भर माल बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया है, शाहपुर पुलिस ने 25 आर्म्स एक्ट के तहत

अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी रवींद्र पिता प्रेमसिंह बारेला निवासी ग्राम चमेली फाल्या चिड़ियापानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ कर जांच की जा रही है। इस कार्यवाही में उपनिरीक्षक अजय सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक दीपेंद्र तंवर, प्रधान आरक्षक मनोज मोरे, आरक्षक अजय पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

सभी राजस्व अधिकारी राजस्व महा अभियान में प्रो-एक्टिव रहकर प्रगति लाये-कलेक्टर सुश्री

जिला प्रशासन द्वारा घर-घर जाकर बनाये जायेंगे आयुष्मान कार्ड

बुरहानपुर-जिला प्रशासन 70 वर्ष की आयु वर्ग के एवं उससे अधिक आयु के हितग्राहियों के घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनायेंगा। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि, सेक्टर ऑफीसर्स रूट चार्ट के अनुसार हितग्राहियों से संपर्क कर कार्यवाही करेंगे। नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाना वर्तमान में प्राथमिकता का विषय है। कलेक्टर ने जनपद स्तर पर एक माह के लिए कन्ट्रोल रूम तैयार करने के निर्देश दिये तथा जनपद सीईओ से प्रतिदिवस मॉनीटरिंग करने की बात कही। उन्होंने आधार कैम्प आयोजित करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि मैदानी

अमले की बैठक लेकर उन्हें सक्रिय करें एवं कैम्प का व्यापक प्रचार-प्रसार करवाना सुनिश्चित करें।साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में राजस्व महाअभियान अंतर्गत तहसीलवार समीक्षा की गई। प्रगति ना मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि, सभी राजस्व अधिकारी अभियान अंतर्गत प्रो-एक्टिव रहकर प्रगति लाये। संबंधित क्षेत्र के पटवारी के कार्यो का प्रतिदिवस रिव्यूव करें। विभिन्न प्रकरणों जैसे- अभिलेख दुरस्ती, नक्शा तरमीम, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री इत्यादि कार्यो में गंभीरता लायी जाये। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि, प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण हो। क्षेत्रवासियों को राजस्व महाअभियान के बारे में भी जानकारी देवे।बैठक में समय सीमा पत्रकों, पीएम किसान ईकेवायसी, सीएम हेल्पलाईन, पीएम स्वनिधि योजना सहित अन्य विषयों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सृष्टि देशमुख, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना जैन सहित अन्य जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

23 वर्ष से फरार दो वारंटी कॉम्बिंग आपरेशन के दौरान टाण्डा पुलिस कि गिरफ्त मे

टांडा- अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा न्यायालय द्वारा जारी वारंटियों कि गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाये जाने हेतु आदेश जारी किया गया था इसी तारतम्य में धार जिले के पुलिस कप्तान मनोजकुमार सिंह के द्वारा धार जिले के सभी थानों को रात्री कॉम्बिंग आपरेशन चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था. पुलिस अधीक्षक धार के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार इन्द्रजीत बाकलवार एवं एसडीओपी कुक्षी सुनिल गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना टाण्डा प्रभारी कमलेश सिंगार द्वारा दो टिम गठित की गई थी दिनांक 17.11.2024 को एक टिम ने स्वयं थाना प्रभारी टाण्डा कमलेश सिंगार एवं दूसरी टिम में उप निरीक्षक भूपेन्द्र खरतिया व थाने के अन्य पुलिस स्टाप द्वारा वर्ष 2001 2002 व 2015 में न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट कि

दिगर जिले व ग्रामिण क्षेत्र में वारंटियों के घर पर ओचक रात्री कॉम्बिंग आपरेशन के दौरान वारंटी रायसिंह पिता कुंवरसिंह अलावा, मेहरसिंह पिता भोलिया निवासी बराड को गिरफ्तार किया गया वारंटी रायसिंह के 03 एवं मेहरसिंह के 03 कुल 06 वारंट न्यायालय में लंबित थे। टाण्डा पुलिस द्वारा इसके अतिरिक्त 06 गिरफ्तारी वारंट एवं आबकारी अधिनियम के तहत 03 प्रकरण कुल मात्रा 30 लीटर एवं एक आयुध अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किये गये है । और रात्री में थाना क्षेत्र के गुण्डा एवं निगरानी बदमाश चेक किया गया। संपुर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी टाण्डा कमलेश सिंगार उप निरीक्षक भुपेन्द्र खरतिया सउनि जितेन्द्र सांकला, सउनि योगेन्द्र मावी, सउनि रामसिह हटीला. प्र.आर.812 अर्जुनसिंह मौर्य आर.233 मनीष पाल, आर.593 विनोद, आर. 1097 सिध्दार्थ, आर. 964 आकाश, आर. 980 राहुल, आर. 987 राहुल, आर. 246 अनिल बिसी, आर.917 धर्मेन्द्र व सायबर पुलिस धार का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक धार द्वारा उक्त सराहनीय कार्य के लिए पृथक के ईनाम देने की घोषणा की है ।

मंदसौर पुलिस ने दो अलग अलग प्रकरणो में लग्जरी वाहनो में अवैध मादक पदार्थ तस्करी हेतु परिवहन करते 05 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में दो प्रकरण में कूल 1 क्विंटल 20 किलो डोडचूरा एवं 70 ग्राम एम.डी.एम.ए. ड्रग किया गया जप्त

थाना व्हाय.डी. नगर एवं थाना पिपलियामण्डी पुलिस द्वारा पृथक पृथक की गयी कार्यवाही

मंदसौर- अभिषेक आनन्द पुलिस अधीक्षक मन्दसौर द्वारा जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों को मादक पदार्थ की तस्करी पर रोकथान एवं तस्करो पर प्रभावी कार्यवाही हेतु स्पष्ट निर्देश देकर सतत् कार्यवाही की जाने हेतु निर्देशित किया गया हैं । इसी क्रम में गौतम सोलंकि अति.पुलिस अधीक्षक जिला मन्दसौर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह एवं अ0अ0पु0 मल्हारगढ़ नरेन्द्र सोलंकी के मार्गदर्शन में थाना व्हाय.डी.नगर पुलिस एवं थाना पिपलियामण्डी पुलिस द्वारा दो अलग अलग प्रकरणों में मादक पदार्थ की तस्करी हेतु रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही सम्पादित कर कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ एवं वाहन जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गयी हैं ।

प्रथम प्रकरण का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 17-11-24 को थाना व्हाय.डी.नगर पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान देवडूंगरी तिराहे पर बीना नम्बर की एक सफेद रंग की लग्जरी फार्चयूनर वाहन संदिग्ध अवस्था में तेज गती से आता दिखाई देने पर पुलिस को संदेहास्पद होने से उक्त वाहन को मौजूद पुलिस बल द्वारा रोक कर तलाशी लेने पर वाहन में 60 किलो अवैध डोडाचूरा एवं 70 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. ड्रग पाया गया जिस पर वाहन सवार आरोपी महेन्द्र सिंह पिता सज्जन सिंह सिसोदिया उम्र 27 वर्ष निवासी पित्याखेड़ी एवं आरोपी ईश्वर सिंह ऊर्फ बबलू पिता देवी सिंह सिसोदिया उम्र 33 वर्ष निवासी पित्याखेड़ी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वाहन एवं अवैध मादक पदार्थ विधिवत् जप्त कर एन.डी.पी.एस. एक्ट के समस्त आज्ञापक प्रावधानो का विधीवत् पालन कर मौके पर समस्त वैधानिक कार्यवाही सम्पादित की गयी । थाना व्हाय.डी. नगर पर दोनो गिर.शुदा आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रं. 397/24 धारा 8/15/22/29 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । प्रकरण में अनुसंधान जारी हैं जिसमें अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत के संबंध में जानकारी एकत्र की जाकर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी ।

द्वितीय प्रकरण का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 17-11-24 को रात्री के समय थाना पिपलियामण्डी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम उमरिया में आकस्मिक वाहन चैकिंग के दौरान एक बीना नम्बर की चार पंहिया वाहन तेज गती से आता दिखाई देने पर संदेहास्पद होने से मौके पर मौजूद पुलिस बल द्वारा अपनी कार्यकूशलता एवं व्यवसायीक दक्षता के आधार पर वाहन को नाकाबंदी कर रोका गया । वाहन में सवार व्यक्ति पुलिस की मौजूदगी में भागने का प्रयास करने लगे जिस पर मौजूद बल द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा । वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा होना पाया गया जिसका वजन करने पर कुल 60 किलोग्राम डोडाचूरा होना पाया जाने से वाहन में सवार तीनो व्यक्तियों 1. ईमरान पिता मीर गुल खान उम्र 23 वर्ष निवासी दाउदखेड़ी थाना व्हाय.डी. नगर जिला मन्दसौर (2). ईरफान पिता मीरगुल खान उम्र 22 वर्ष निवासी दाउदखेड़ी थाना व्हाय.डी. नगर जिला मन्दसौर (3). अमर चन्द पिता दूर्गा लाल रैगर उम्र 25 वर्ष निवासी डिग्गी बाजार, पीर रोड़ अजमेर राजस्थान को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वाहन एवं अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा विधिवत् जप्त कर एन.डी.पी.एस. एक्ट के समस्त आज्ञापक प्रावधानो का विधीवत् पालन कर मौके पर समस्त वैधानिक कार्यवाही सम्पादित की गयी । थाना वापसी पर दोनो गिर.शुदा आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रं. 291/24 धारा 8/15 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । प्रकरण में प्रारम्भिक अनुसंधान एवं पूछताछ में गिरफ्तार शुदा आरोपियों द्वारा उक्त जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ महेन्द्र सिंह पिता सज्जन सिंह सिसोदिया एवं ईश्वर सिंह पिता देवी सिंह सिसोदिया निवासी ग्राम पित्याखेड़ी थाना व्हाय.डी.नगर जिला मन्दसौर से लाना बताया गया हैं जिस पर उक्त दोनो संदेहीयान की प्रकरण में संलिप्तता पायी जाने से आरोपी बनाया गया हैं ।

गिरफ्तारशुदा आरोपियों का विवरण- थाना व्हाय.डी. नगर पर दर्ज अपराध में आरोपियों का विवरण - 1. महेन्द्र सिंह पिता सज्जन सिंह सिसोदिया उम्र 27 वर्ष निवासी पित्याखेड़ी (2.) आरोपी ईश्वर सिंह ऊर्फ बबलू पिता देवी सिंह सिसोदिया उम्र 33 वर्ष निवासी पित्याखेड़ी

थाना पिपलियामण्डी पर दर्ज अपराध में आरोपियों का विवरण- 1. ईमरान पिता मीर गुल खान उम्र 23 वर्ष निवासी दाउदखेड़ी थाना व्हाय.डी. नगर जिला मन्दसौर (2). ईरफान पिता मीरगुल खान उम्र 22 वर्ष निवासी दाउदखेड़ी थाना व्हाय.डी. नगर जिला मन्दसौर, (3). अमर चन्द पिता दूर्गा लाल रैगर उम्र 25 वर्ष निवासी डिग्गी बाजार, पीर रोड़ अजमेर राजस्थान

आंतकियों ने पुलिसकर्मियों को भी बंधक बनाया

अफगान सीमा के पास पाकिस्तानी सेना पर हमले में 8 सैनिकों की मौत

इण्टरनेशनल डेस्क. उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर जिले में सोमवार को आतंकवादियों ने एक सैन्य काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 8 सैनिक मारे गए। यह हमला तब हुआ जब सैनिक आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के बाद अपने बेस लौट रहे थे। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत खैबर जिले में हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, इस घातक हमले में तीन सैनिक घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जवाबी कार्रवाई में कई हमलावरों के मारे जाने की भी खबर है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

इसी दिन, बन्नू जिले में हथियारबंद आतंकवादियों ने एक सुरक्षा चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया गया। पुलिस ने कहा कि आतंकियों का पीछा करने और बंधकों को छुड़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में हाल के महीनों में आतंकवादी हमले बढ़े हैं। इन हमलों की ज़िम्मेदारी अक्सर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे आतंकवादी संगठनों पर डाली जाती है। टीटीपी, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है, खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों पर लगातार हमले करता रहा है। वहीं, बीएलए ने हाल ही में बलूचिस्तान में रेलवे स्टेशन पर आत्मघाती बम धमाके सहित दो हमलों की ज़िम्मेदारी ली, जिनमें कम से कम 34 सैनिक मारे गए।

पाकिस्तानी नेताओं ने बार-बार आरोप लगाया है कि टीटीपी और बलूच विद्रोही अफगानिस्तान में अपने ठिकानों से आतंकवादी गतिविधियां चलाते हैं। हालांकि, अफगान तालिबान सरकार इन आरोपों से इनकार करती है। अमेरिकी निगरानी संस्था स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल फॉर अफगानिस्तान रिकंस्ट्रक्शन की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में अल-कायदा के 8 प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं। ये शिविर टीटीपी को अफगानी लड़ाके और प्रशिक्षण सुविधाएं मुहैया करवा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इस साल अब तक पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में 1,100 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और नागरिक मारे गए हैं। खैबर और बन्नू जैसे जिले, जहां नियमित रूप से आतंकवादी गतिविधियां होती हैं, पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं।

खाकी पर दाग...

न्याय मांगने गई युवती को कमरे में ले गए सिपाही, और फिर.....

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश की उरई पुलिस की खाकी पर दाग लगने का मामला सामने आया है। युवती का कहना है कि उसके मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई करने और जांच के नाम पर दो सिपाही उसे कमरे में ले गए और उसके साथ गंदा काम किया। इतना ही नहीं उसके साथ मारपीट की और जब शिकायत लेकर थाने पहुंची तो वहां भी समझौते का दबाव बनाया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

यह पूरा मामला जालौन के उरई थाना क्षेत्र का है। जहां रहने वाली एक युवती ने उरई कोतवाली थाने के दो सिपाहियों पर रेप का आरोप लगाया है। वहीं पीड़िता ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। जिसमें उसने बताया कि मकान मालिक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और जेवरात लूट लिए। पीड़िता ने इसकी शिकायत 11 नवंबर को की थी। 15 नवंबर को उरई कोतवाली के कोबरा में तैनात सिपाही अंजेश यादव और रामाधार यादव ने फोन कर घटना की जानकारी ली।

इस मौके पर पीड़िता ने बताया कि सिपाहियों ने मदद का भरोसा दिलाते हुए उसे गोपालगंज स्थित शराब ठेके पर बुलाया। जब वह गोपालगंज स्थित देसी शराब ठेका के पास पहुंची तो दोनों सिपाहियों ने कहा कि ऑफिस चलो जहां बयान लिखे जाएंगे। युवती सिपाहियों के साथ ऑफिस जाने लगी तो दोनों सिपाही उसे एक कमरे में ले गए। जहां सिपाहियों ने उसके साथ मारपीट की, धमकाते हुए कहा कि पहले तुम्हारे साथ संबंध बनाएंगे फिर कार्रवाई करेंगे।

जबरन उतारे युवती के कपड़े

इसके बाद दोनों सिपाहियों ने जबरन युवती के कपड़े उतार दिए और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता ने इस घटना के बारे में अपनी दादी को बताया। फिर वह 16 नवंबर को उरई कोतवाली पहुंची। जहां शिकायती पत्र दिया तो पुलिसवालों ने अभद्रता की। इतना ही नहीं एक महिला कांस्टेबल ने उसके साथ मारपीट की।

समझौते का बनाया दबाव

पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उस पर समझौते का भी दबाव बनाया। महिला ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। जिसके बाद एसपी ने जांच के आदेश दिये है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुरी तरह से फंसे लोग... 6 लोगों की मौत

भरुच में हुआ भीषण सड़क हादसा खड़े ट्रक से भिड़ी ईको कार

नेशनल डेस्क. गुजरात के भरूच जिले में सोमवार रात एक भयावह सड़क हादसा हुआ, जिसमें 6 लोगों की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ जब एक ईको कार, जो शुक्लतीर्थ के मेले से लौट रही थी, जंबूसर-आमोद रोड पर खड़े ट्रक से टकरा गई। कार में 6 लोग सवार थे, जिनमें दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल थे। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि उसके परखच्चे उड़ गए और कार में सवार लोग बुरी तरह फंस गए। दुर्घटना स्थल पर पहुंची बचाव टीम ने काफी मशक्कत के बाद शवों को निकाला। हालांकि, इस हादसे में सभी 6 लोग मृत पाए गए।

हादसे के विवरण में मारे गए लोगों की पहचान

भरूच के जंबूसर-आमोद रोड पर हुए इस हादसे में मरने वालों की पहचान सपनाबेन जयदेव गोहिल, जयदेव गोविंदभाई गोहिल, कीर्तिकाबेन अर्जुनसिंह गोहिल, हंसाबेन अरविंद जादव, संध्याबेन अरविंद जादव और विवेक गणपत परमार के रूप में हुई है। सभी लोग जंबूसर के वेडच और पांचकड़ा गांव के निवासी थे। हादसे के समय ये सभी लोग शुक्लतीर्थ में चल रहे मेले में दर्शन करने गए थे और वहां से लौटते वक्त यह दुर्घटना हुई।

हादसा खड़े ट्रक से टकराई ईको कार

घटना सोमवार रात करीब 11 बजे की है, जब ईको कार तेज गति से आ रही थी और अचानक सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। पुलिस और बचाव कार्य में लगे अधिकारियों ने कड़ी मेहनत के बाद कार के शीशे और धातु काटकर शवों को बाहर निकाला। जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन कार में सवार सभी लोग मृत पाए गए।

मृतकों के परिजनों को दी गई सूचना

भरूच पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है और पीड़ित परिवारों को हादसे के बारे में सूचित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे का मुख्य कारण क्या था।

दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना सोमवार सुबह

इस सड़क हादसे से कुछ घंटे पहले सोमवार सुबह ही गुजरात के आणंद जिले में एक और भीषण सड़क दुर्घटना हुई थी। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस-वे पर सुबह करीब साढ़े 4 बजे एक प्राइवेट लग्जरी बस और ट्रक के बीच टक्कर हुई। यह बस महाराष्ट्र से राजस्थान जा रही थी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 3 लोगों की मौके पर और 3 अन्य की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। इसके अलावा, हादसे में 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें राहगीरों और पुलिस ने मिलकर अस्पताल पहुंचाया।

हादसों के कारण और सड़क सुरक्षा की आवश्यकता

इन हादसों ने सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन की गंभीरता को फिर से उजागर किया है। भरूच हादसे में खड़े ट्रक से टक्कर होने का कारण यह है कि ट्रक बिना किसी चेतावनी के सड़क पर खड़ा था, जिससे वाहन चालक को टक्कर से बचने का मौका नहीं मिला। वहीं, आणंद हादसे में तेज रफ्तार और सड़क पर घनी भीड़ के कारण दुर्घटना घटी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बढ़ते सड़क हादसों के प्रमुख कारणों में तेज रफ्तार, नियमों का पालन न करना, और खराब सड़कें शामिल हैं। इसके साथ ही, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव भी एक बड़ा कारण है।

सड़क पर खड़े वाहनों, ट्रकों और अन्य वाहनों को लेकर सख्त नियमों की आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। गुजरात और महाराष्ट्र में एक ही दिन में दो बड़े सड़क हादसों ने देश में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन हादसों से यह स्पष्ट होता है कि सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन में सुधार की सख्त आवश्यकता है। सरकार को चाहिए कि वह सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कड़े कदम उठाए, खासकर सड़क पर खड़े वाहनों के संबंध में। साथ ही, नागरिकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

दिल्ली यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा हरिनी अमरसूर्या बनीं श्रीलंका की प्रधानमंत्री

नेशनल डेस्क. श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री के रूप में हरिनी अमरसूर्या की नियुक्ति ने न केवल श्रीलंका में बल्कि भारत और दुनिया भर में चर्चा का विषय बना दिया है। 54 वर्षीय हरिनी श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं और उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए एक प्रेरणादायक यात्रा तय की है। अपनी शिक्षा और सामाजिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध, हरिनी अमरसूर्या ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। इसके बाद, उन्होंने श्रीलंका में अकादमिक और राजनीतिक क्षेत्रों में भी अहम योगदान दिया। हरिनी अमरसूर्या की शिक्षा यात्रा श्रीलंका से भारत तक फैली हुई है। 1988-89 में श्रीलंका में तमिल आंदोलन के दौरान हालात इतने हिंसक हो गए थे कि स्कूल और कॉलेज बंद हो गए थे। ऐसे में हरिनी ने अपनी उच शिक्षा के लिए भारत आने का निर्णय लिया। उन्होंने 1990 में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में प्रवेश लिया और यहां समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री (1991-1994) प्राप्त की। हिंदू कॉलेज में अपने छात्र जीवन के दौरान, हरिनी अमरसूर्या का परिचय भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं और विचारधाराओं से हुआ, जो बाद में उनके राजनीतिक दृष्टिकोण और नेतृत्व को आकार देने में सहायक रहे। इस दौरान उनके साथ बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली और प्रमुख पत्रकार अर्नब गोस्वामी भी पढ़ाई कर रहे थे। हिंदू कॉलेज की प्रिंसिपल अंजू श्रीवास्तव ने भी अपनी पूर्व छात्रा पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि, हरिनी का प्रधानमंत्री बनना हमारे कॉलेज के लिए गर्व की बात है। उनका संघर्ष और सफलता हमारे लिए प्रेरणा है। हरिनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद अपनी शिक्षा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड से सामाजिक मानविकी में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने श्रीलंका विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र और मानविकी के विषयों पर शोध और शिक्षा दी। श्रीलंका में प्रोफेसर के रूप में काम करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर गहरी समझ विकसित की और कई शोध कार्य किए। उनके अध्ययन और शोध ने उन्हें एक प्रभावशाली विद्वान के रूप में स्थापित किया। हरिनी अमरसूर्या ने अपनी शैक्षिक यात्रा के दौरान सामाजिक कार्यों में भी सक्रियता दिखाई। वह कई वर्षों तक स्वास्थ्य से जुड़े एक ह्लह्ल से जुड़ी रही थीं, जहां उन्होंने सुनामी से प्रभावित बचों की मदद की थी। यह कार्य उनकी मानवता और समाज के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। इस दौरान, उन्होंने बचों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर काम किया, ताकि वे प्राकृतिक आपदाओं के बाद मानसिक रूप से मजबूत बन सकें। हरिनी अमरसूर्या ने 2019 में श्रीलंका के प्रमुख राजनीतिक दल जनता विमुक्ति पेरमुनुवा से जुड़कर राजनीति में कदम रखा। उनके लिए यह एक नया मोड़ था,

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कोमा में ! कार्यालय ने तस्वीर जारी कर दी सफाई

इण्टरनेशनल डेस्क. ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 85 वर्षीय खामेनेई कोमा में हैं और उन्होंने गुप्त बैठक में अपने बेटे मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी नामित किया है। हालांकि, रविवार को खामेनेई के आधिकारिक कार्यालय ने इन अटकलों को खारिज करते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की। इसमें खामेनेई को लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी के साथ बातचीत करते हुए देखा गया। खामेनेई के एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर यह तस्वीर पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया, इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्लाह खामेनेई ने लेबनान में ईरान के अनुभवी राजदूत मोजतबा अमानी से आज दोपहर अपने दैनिक बैठकों के दौरान मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खामेनेई अक्टूबर में गंभीर रूप से बीमार थे, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह दावा किया था। वहीं, खामेनेई ने अक्टूबर 5 को पांच साल बाद पहली बार एक सार्वजनिक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने फिलिस्तीन और लेबनान के हमास और हिज्बुल्लाह के समर्थन में बयान दिया था।मो जतबा अमानी, जिनसे खामेनेई ने मुलाकात की, सितंबर में लेबनान में एक विस्फोट में घायल हो गए थे। यह विस्फोट हिज्बुल्लाह के उपकरणों में हुआ था, जिसमें 39 लोगों की मौत और लगभग 3,000 लोग घायल हुए थे। अमानी ने अपनी सेहत से जुड़ी रिपोर्ट खामेनेई को सौंपी।पिछले महीने अपने भाषण में खामेनेई ने कहा था कि इजरायल जल्द ही खत्म हो जाएगा। उन्होंने इजरायल पर मिसाइल हमलों को जनता की सेवा बताते हुए इसे जायज ठहराया। उन्होंने हमास और हिज्बुल्लाह के संघर्ष का समर्थन करते हुए इजरायल के खिलाफ हथियारबंद आंदोलन की वकालत की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569